RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 अपने पार्टनर में कुछ खास...

वर्ष : 27 | अंक : 256 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 04 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

यमुना का रौद्र रूप, कश्मीरी गेट तक पहुंचा पानी

दिल्ली सचिवालय के पास पानी भरा, रिंग रोड पर भारी जाम

नेशनल हाईवे-44 (जीटी करनाल रोड) हाईवे पर पुल का एक हिस्सा धंस गया।

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना नदी में पानी का जलस्तर 207.47 मीटर दर्ज किया गया है। राजधानी दिल्ली इस समय बाढ़ के भीषण संकट से जूझ रही है। यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है और इसका असर सीधे प्रशासनिक और आम जनजीवन पर दिखाई देने लगा है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि दिल्ली सचिवालय तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है, वहीं मयूर विहार फेज-1 में बनाए गए राहत कैंप भी डूब गए हैं। स्वामी नारायण मंदिर, फुटओवर ब्रिज और सिविल लाइंस, कश्मीरी गेट इलाके में भी पानी भर गया है। यहां बंगलों में भी पानी भर चुका है।

दूसरी ओर, एनएच-44 पर अलीपुर के पास फ्लाईओवर का हिस्सा धंस गया, जिसमें एक ऑटो फंस गया और ड्राइवर घायल हो गया। फ्लाईओवर का हिस्सा धंसने के कारण दिल्ली-चंडीगढ़ रूट प्रभावित हुआ है। वहीं दिल्ली सचिवालय, रिलीफ कैंप और सड़कों तक पानी घुसने से यह साफ है कि राजधानी दिल्ली इस समय बाढ़ के कहर की मार झेल रही है और लोगों के सामने सुरक्षा के साथ-साथ आवाजाही की भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। गीता कॉलोनी में बाढ़ का पानी परिसर में भर जाने से अंतिम संस्कार रोक दिए गए हैं। कश्मीरी गेट में सड़क पर बाढ़ का पानी आ गया है जिस कारण भारी जाम लग गया है और ट्रैफिक को भी रोकना पड़ा है।

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 4 सितंबर 2025 को सुबह 10 बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर 207.47 मीटर दर्ज किया गया है। वहीं, हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से 1,33,995 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जबकि वजीराबाद बैराज से 1,93,090 क्यूसेक और ओखला बैराज से 2,44,478 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। लगातार बैराजों से हो रहे पानी के बहाव के चलते दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है और निचले (शेष पृष्ठ-3 पर)

डीएमआरसी का अलर्ट

यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन तक जाने वाला संपर्क मार्ग वर्तमान में दुर्गम है। स्टेशन चालू है और इंटरचेंज सुविधा उपलब्ध है। डीएमआरसी ने इसकी जानकारी दी है।

नोएडा में बिगड़े हालात, डूबे फार्महाउस

नोएडा (चेतना मंच)। यमुना में आई बाढ़ का असर नोएडा में भी देखने को मिल रहा है। नोएडा के सेक्टर-128 का निचला इलाका पानी से भर गया है। यहां कई फार्महाउस पानी में डूब गए हैं। बाढ़ से प्रभावित लोगों को बाहर निकाला जा रहा है। जिला प्रशासन व नोएडा पुलिस लोगों को सुरक्षित निकालने के काम में जुटी हुई है। वहीं जेवर में बाढ़ के पानी से कई बीघा फसल बर्बाद हो गयी है।

नोएडा के सेक्टर-168 स्थित एक सोसाइटी की ऊंची बिल्डिंग से देखने पर दूर-दूर तक जमुना की डूब क्षेत्र में भरा हुआ पानी नजर आ रहा है। यमुना का जलस्तर भी (शेष पृष्ठ-3 पर)

अब कॉर्पस फंड के जरिए होगा नोएडा प्राधिकरण का संचालन

नोएडा (चेतना मंच)। भविष्य में राजस्व की आमद कमजोर पड़ने की स्थिति में अब नोएडा प्राधिकरण संचालन के लिए कॉर्पस फंड का सहारा लेगी। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने पहल भी शुरू कर दी है।

इस फंड के जरिए नोएडा का अनुरक्षण तथा देखरेख का संचालन होगा तथा कर्मचारियों को वेतन भी दिया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण ने इस फंड का गठन भी कर लिया है। संचालन शुरू करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई जानी बाकी है।

प्राधिकरण ने तय किया है कि अब आवंटियों द्वारा एकमुश्त लीजरेंट की रकम भी इसी फंड में ट्रांसफर की जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम ने बताया कि इस फंड के जरिए प्राधिकरण की बचत भी होती रहेगी जिसका अन्य मदों में लाभ उठाया जा सके।

भाजपा किसी की सगी नहीं : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। बाराबंकी लाठीचार्ज और मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास पर एबीवीपी के प्रदर्शन को लेकर अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी अपने ही सहयोगी संगठनों में झड़प करा रही है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी अपने ही सहयोगियों के खिलाफ प्रदर्शन करवा रही है। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी अपने तथाकथित राजनीतिक सहयोगियों के लिए ऐसी मुसीबतें खड़ी कर रही है कि वे अपने समुदायों में अपना चेहरा दिखाने में असमर्थ हैं और वे अब 'राजनीतिक रूप से बर्बाद' हो चुके हैं। सपा प्रमुख ने यह हमला तब किया जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने सुहेलदेव भारतीय (शेष पृष्ठ-3 पर)

बलिया में राजभर का पुतला फूंका

जन्मदिन की पार्टी में झगड़ा, 9 छात्र गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के मिग्सन सोसाइटी में बीती रात को जन्मदिन के पार्टी के दौरान छात्रों के दो गुट मे आपस में मारपीट हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने 9 छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना सूरजपुर ने बताया कि मिग्सन सोसाइटी में रहने वाले समीर पुत्र अशोक निवासी पश्चिम बंगाल और एक अन्य छात्र पल्स ग्रेटर नोएडा के एक कॉलेज में पढ़ रहे है। बीती रात को समीर व पल्स की बर्थडे पार्टी चल रही थी। वहां पर समीर व पल्स के दोस्तों ने शराब पी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

जेवर हवाई अड्डे के 10 किमी दायरे का हर माह सर्वेक्षण करे एईएमसी की टीम

अवैध निर्माण व मृत पशुओं के फेंकने पर लगे प्रतिबंध : मेधा रूपम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में आज नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर हेतु एयरपोर्ट पर्यावरण प्रबंधन समिति (AEMC) की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी, एयरपोर्ट की हेड (एयरसाइड ऑपरेशंस) यशदेव कटोच, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी(भू0/अ0) बच्चू सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, प्रभागीय वन अधिकारी पी0के0 श्रीवास्तव, एसीपी सार्थक सेंगर, जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में लीड (एयरसाइड सर्विस एवं डब्ल्यू.एच.एम) विनीत सिकरवार ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से हवाई अड्डे के 10 किलोमीटर के दायरे में पर्यावरणीय परिस्थितियों और विमान संचालन से जुड़े खतरों की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे के आसपास पक्षियों एवं जानवरों की उपस्थिति विमान सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है, जिसे नियंत्रित करना अत्यंत आवश्यक है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बकायेदारों पर नोएडा प्राधिकरण ने कसा शिकंजा

- नोटिस जारी व वसूली के दिए निर्देश
- बड़े बकायेदारों व डिफाल्टर को आरसी जारी करने के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने अब बकायेदारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसके तहत सीईओ डॉ. लोकेश एम ने सभी विभागों के बकायेदारों को नोटिस जारी कर वसूली तेज करने के निर्देश दिए। वहीं बड़े तथा पुराने बकायेदारों को आरसी जारी करने के निर्देश दिए।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम ने सभी विभागों के साथ समीक्षा की। बैठक में संजय कुमार खत्री, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, करुण करुणेश, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, महेंद्र प्रसाद, विशेष कार्याधिकारी, श्रीमति वंदना त्रिपाठी, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सतीश पाल, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के साथ सभी विभागों के विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

सीईओ ने सभी परिसंपत्तियों विभागों की वर्तमान प्रकाशित भूखंड आवंटन योजना के अद्यतन स्थिति के समीक्षा की। उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि स्क्रूटिनी पूर्ण कर इसी माह में आवंटन जारी किए जाएं। इसके अतिरिक्त नए भूखंड आवंटन योजनाएँ प्रकाशित की जाए।

प्राधिकरण के सभी विभागों से जारी होने सभी नोटिस/डिफॉल्टर की सूची प्राधिकरण की वेबसाइट पर भी (शेष पृष्ठ-3 पर)

GST-2.0- सस्ते और महंगे होने वाले प्रोडक्ट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र की मोदी सरकार ने आम आदमी को प्री-दिवाली गिफ्ट दे दिया है। बुधवार को नई दिल्ली में हुई जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इसके तहत टैक्स स्लैब को कम किया गया, जिससे तमाम सामानों पर लगने वाले टैक्स का रेट कम हो जाएगा। नवरात्रों से पहले नए रेट 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे। नए जीएसटी सुधार के तहत 100 से ज्यादा चीजों के दाम घटने वाले हैं। इसमें जरूरी वस्तुओं, रोजमर्रा की चीजों, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स और हेल्थ प्रोडक्ट्स पर टैक्स रेट में कमी की गई है। वहीं लग्जरी वाहनों, तंबाकू उत्पादों, कैफीनयुक्त पेय पदार्थों और यहां तक कि क्रिकेट मैच के टिकटों पर भी टैक्स बढ़ा दिया गया है। यहां नए जीएसटी सुधार के तहत क्या सस्ता और क्या महंगा हुआ है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एग्रीकल्चर और फर्टिलाइजर

- ट्रैक्टर (1800cc से अधिक क्षमता वाले सड़क ट्रैक्टरों को छोड़कर) 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत
- पिछले ट्रैक्टर टायर/ट्यूब 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत
- मिट्टी/कटाई/थ्रेसिंग के लिए कृषि मशीनरी 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत
- कम्पोस्टिंग मशीनें 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत
- स्प्रिंकलर/ड्रिप सिंचाई/लॉन/स्पोर्ट्स रोलर्स 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत
- जैव-कीटनाशक, सूक्ष्म पोषक तत्व 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत
- ईंधन के लिए पंप 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत
- ट्रैक्टरों के लिए हाइड्रोलिक पंप 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

इलेक्ट्रॉनिक्स

- एयर कंडीशनर (AC) 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत
- बर्तन धोने की मशीनें 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत
- टीवी (एलईडी, एलसीडी), मॉनिटर, प्रोजेक्टर 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत

कार-बाइक पर टैक्स

- टायर 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत
- मोटर वाहन (छोटी कारें, तिपहिया वाहन, एम्बुलेंस, 350cc से छोटी मोटरसाइकिल, कमर्शियल व्हीकल) 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत
- मोटरसाइकिलें 350cc से छोटी 28 प्रतिशत से 40 प्रतिशत
- बड़ी एसयूवी, लक्जरी/प्रीमियम कारें, सीमा से ऊपर की हाइब्रिड कारें, रेसिंग कारें 28 प्रतिशत से 40 प्रतिशत
- रोइंग बोट/डोंगी 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत
- साइकिलें और गैर-मोटर तिपहिया वाहन 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

फूड आइटम्स

- वनस्पति वसा/तेल 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- मोम, वनस्पति मोम 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- मांस, मछली, फूड प्रोडक्ट्स 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- डेयरी उत्पाद (मक्खन, घी) 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- छेना-पनीर 12 प्रतिशत से 0 प्रतिशत
- सोया दूध 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- चीनी, उबली हुई मिठाइयां 12 प्रतिशत-18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- चॉकलेट और कोको पाउडर 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- पास्ता, कॉर्न फ्लेक्स, नूडल्स, बिस्कुट, माल्ट एक्सट्रेक्ट (गैर-कोको) 12 प्रतिशत-18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- जैम, जेली, मुरब्बा, मेवे/फलों का पेस्ट, सूखे मेवे, मेवे 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- फलों का रस, नारियल पानी 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत में
- पहले से पैक पिज्जा ब्रेड, खाखरा, चपाती, रोटी 5 प्रतिशत से शून्य

जीएसटी पर लिए गए फैसले सराहनीय

एमएसएमई उद्योगों को मिलेगी राहत : नाहटा

नोएडा (चेतना मंच)। एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को 56वीं जीएसटी परिषद बैठक में लिए गए ऐतिहासिक फैसलों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

जीएसटी दरों को 5% और 18% के दो स्लैब में सरल करना तथा तेल, साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट, घी, बटर, चीज़ जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं को 5% श्रेणी में लाना देशवासियों और उद्योग जगत के लिए दिवाली से पहले बड़ा तोहफ़ा है। श्री नाहटा ने कहा कि मोदी सरकार और वित्त मंत्री जी ने हमेशा (शेष पृष्ठ-3 पर)

टेक क्रांति

भारत ने टेक क्रांति की तरफ बढ़ते हुए पहला पूर्णत- स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित कर लिया है। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब इस कामयाबी की साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। जिनमें से एक पंजाब के मोहाली में स्थित है। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। यहां तक कि छोटा-सा देश ताइवान दुनिया के लगभग साठ फीसदी से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन कर रहा है। जिसमें करीब नब्बे फीसदी उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं। दरअसल, कोविड संकट के बाद आधुनिक तकनीक व उन्नत उपकरणों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर होड़ पैदा हो गई है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार पचास फीसदी पूंजीगत सहायता दे रही है। वहीं राज्य सरकारें कुल परियोजना लागत का बीस फीसदी प्रोत्साहन दे रही हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि सरकार इस मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी डीएलआई योजना के अगले फेज पर काम कर रही है। निश्चित रूप से केंद्र के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल,राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वेदशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि तब प्रभु ने ऋषियों सहित (गंगाजी में) स्नान किया। ब्राह्मणों ने भाँति-भाँति के दान पाए। फिर मुनिवृन्द के साथ वे प्रसन्न होकर चले और शीघ्र ही जनकपुर के निकट पहुँच गए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो०- अस प्रभु दीनबंधु हरि कारन रहित दयाल।
तुलसिदास सठ तेहि भजु छाड़ि कपट जंजाल॥
प्रभु श्री रामचन्द्रजी ऐसे दीनबंधु और बिना ही कारण दया करने वाले हैं। तुलसीदासजी कहते हैं, हे शठ (मन)! तू कपट-जंजाल छोड़कर उन्हीं का भजन कर॥

चले राम लछिमन मुनि संगा। गए जहाँ जग पावनि गंगा॥
गाधिसूनु सब कथा सुनाई। जेहि प्रकार सुरसरि महि आई॥
श्री रामजी और लक्ष्मणजी मुनि के साथ चले। वे वहाँ गए, जहाँ जगत को पवित्र करने वाली गंगाजी थीं। महाराज गाधि के पुत्र विश्वामित्रजी ने वह सब कथा कह सुनाई जिस प्रकार देवनदी गंगाजी पृथ्वी पर आई थीं॥

तब प्रभु रिषिन्ह समेत नहाए। बिबिध दान महिदेवन्हि पाए॥
हरषि चले मुनि बृंद सहाया। बेगि बिदेह नगर निअराया॥
तब प्रभु ने ऋषियों सहित (गंगाजी में) स्नान किया। ब्राह्मणों ने भाँति-भाँति के दान पाए। फिर मुनिवृन्द के साथ वे प्रसन्न होकर चले और शीघ्र ही जनकपुर के निकट पहुँच गए॥ (क्रमशः...)

'मोदी मॉडल' से मचे अंतरराष्ट्रीय धमाल के मायने

वैश्विक कूटनीति के 'मोदी मॉडल' से एक के बाद एक मचे अंतरराष्ट्रीय राजनयिक धमाल के मायने ब्रेक के बाद निरंतर दिलचस्प होते जा रहे हैं, क्योंकि ये अमेरिकी नेतृत्व वाली एक ध्रुवीय दुनिया से इतर बहुपक्षीय दुनिया को कतिपय मामलों में ग्रेस प्रदान करते हैं। समकालीन दुनियादारी में अमेरिकी हैकड़ी पर लगाम लगाते हुए भारत ने रूसी-चीनी खेमे के द्विध्रुवीय दुनिया के साथ खड़े होने की जो चतुराई दिखाई है, वह इसलिए कि अंतरराष्ट्रीय तौर पर उपेक्षित, पददलित और पिछड़े देशों यानी ग्लोबल साउथ के दूरगामी हितों को साधा जा सके।

चूंकि अब पूरी दुनिया में चीन के नेतृत्व में आयोजित हुए एससीओ की बैठक से जुड़ी पीएम नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की आपसी पर्सनल केमिस्ट्री वाली तस्वीर वायरल हो चुकी है, इसलिए वैश्विक कूटनीतिक विशेषज्ञ उसका लगातार विश्लेषण कर रहे हैं और आए दिन बदलती दुनियादारी में अपनी माकूल जगह तलाश रहे हैं। जबकि भारत के साथ दोस्त बनकर गद्दारी की फितरत रखने वाला अमेरिका अब अपना सिर धुन रहा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि लगातार भारत विरोधी विषबमन करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके आर्थिक सलाहकार पीटर के इतर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिकी संबंधों को फिर से संभालने की कोशिश की है। जिसके बाद केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का भी एक बयान सामने आया है जो सकारात्मक संदेश देता है कि ट्रेड डील के लिए अमेरिका के साथ बातचीत चल रही है। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के बाद जो अमेरिकी हठधर्मिता सामने आई है, उसके दृष्टिगत भारत को अब चीन की तरह ही अमेरिका के साथ भी अपनी शर्तों पर फूंक फूंक कर कदम आगे बढ़ाना पड़ेगा। क्योंकि ये लोग भरोसे के लायक नहीं हैं, खासकर वैश्विक वफादार मित्र रूस की तरह।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञ बताते हैं कि टैरिफ पर अड़ियल रुख के बावजूद ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन में ऐसे लोग भरे पड़े हैं, जो अमेरिका के लिए भारत के रणनीतिक महत्व के विविध आयाम को समझते हैं। लिहाजा, मार्को रुबियो उनमें से ही एक हैं। देखा जाए तो उनका बयान ही नहीं, बल्कि उसकी टाइमिंग भी काफी

भारत-अमेरिका दोनों पक्ष यही चाहते भी हैं कि बातचीत लगातार जारी रहे, क्योंकि दो दशकों की मेहनत के बाद उन्होंने अपने संबंधों को यह ऊंचाई दी थी। यह कड़वा सच है कि इस दौरान यह द्विपक्षीय रिश्ता कभी भी तीसरे देश को देखकर निर्धारित नहीं हुआ।

अहम है। जिस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते को एकतरफा बताया, उसी दिन रुबियो ने इस साझेदारी को 21वीं सदी का निर्णायक रिश्ता करार दिया। यही नहीं, उन्होंने दोनों देशों की जनता के बीच बनी मित्रता को इंडिया-यूएस पार्टनरशिप का आधार बताकर हाल में आई कटुता को एक हद तक दूर करने का जो प्रयास किया है, वह उनकी दूरदर्शिता और बौद्धिक परिपक्वता की निशानी है।

जानकार बताते हैं कि दुनियावी तौर पर वयोवृद्ध राष्ट्रपति ट्रंप की छवि एक ऐसे अड़ियल राजनेता की बन चुकी है, जिसकी आदतें और नीतियां अस्थिर हैं, और वो व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर बदलती रहती हैं। जो राष्ट्रपति ट्रंप कभी पीएम मोदी के लिए कुर्सियां लगाते व पकड़े दिखाई देते हैं, वहीं उनके लिए अपमानित करने वाली बात कहेंगे, ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता है, लेकिन ट्रंप ने बिल्कुल वैसा ही किया है। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भी कई ऐसे बयान दिए थे, जिनके बारे में बाद में व्हाइट हाउस को सफाई तक देनी पड़ी। चाहे भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर मसले पर मध्यस्थता का प्रस्ताव हो या फिर अमेरिकी चुनाव में दखल के मामले में रूस को क्लीनचिट देना- ट्रंप ने अपने विदेश विभाग को कई बार असमंजस में डाल दिया था। वहीं, बंगलादेश में हिन्दू उत्पीड़न की उन्होंने जिस तरह से जबर्दस्त मुखालफत की, उससे हिन्दू बहुल देश भारत में उनसे सहानुभूति हुई। लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' और टैरिफ अटैक से जुड़ी शर्मनाक बयानबाजियों ने उनके तमाम सद्गुणों को धत्ता बता दिया।

वहीं अगर मौजूदा वैश्विक और द्विपक्षीय हालात को देखें, तो ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भी अब भी कुछ वैसा ही होता दिखाई पड़ रहा है। भले ही ट्रंप का रवैया बातचीत के सारे रास्ते बंद करने का है, लेकिन अमेरिकी रणनीतिकार जानते हैं कि इससे चीजें और बिगड़ती चली जाएंगी। ऐसे में भारत की वैश्विक भूमिका को अब हल्के में नहीं लिया जा सकता है। इसलिए अमेरिकी प्रशासन अब गम्भीर हो चुका है। क्योंकि पश्चिमी मीडिया पीएम मोदी की चीन यात्रा और वहां पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन से हुई उनकी मुलाकात को अमेरिकी डिप्लोमैसी के लिए एक बड़े झटके के रूप में देख रहा है, जिससे उबरने में अब उसे वर्षों मेहनत करनी पड़ेगी।

हालांकि, भारत ने भी कूटनीतिक मामलों में हमेशा से ही चतुराई से काम लिया है, इसलिए उसने कभी भी द्विपक्षीय संवाद का रास्ता बंद नहीं किया है। हालिया केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का बयान इस बात का सबसे बड़ा सबूत है। नि:सन्देह दुनियाभर में कारोबारी रिश्तों का विस्तार करने के बावजूद भी नई दिल्ली ने वॉशिंगटन के साथ पुराने संबंधों को नहीं छोड़ा है। इस कड़ी में यह भी अहम है कि दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त अभ्यास के लिए अलास्का में जुटी हुई हैं।

भारत-अमेरिका दोनों पक्ष यही चाहते भी हैं कि बातचीत लगातार जारी रहे, क्योंकि दो दशकों की मेहनत के बाद उन्होंने अपने संबंधों को यह ऊंचाई दी थी। यह कड़वा सच है कि इस दौरान यह द्विपक्षीय रिश्ता कभी भी तीसरे देश को देखकर निर्धारित नहीं हुआ। इसलिए भारत ने फ्रांस, इंग्लैंड, जापान, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, रूस, चीन, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान, आसियान देश आदि सबसे घनिष्ठ सम्बन्ध विकसित किये। लिहाजा मौजूदा अनुभवी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार को यह बात समझते हुए बातचीत के रास्ते खुले रखने चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि कुछ मामलों में ड्रैगन के व्यवहार से यूएस के बरक्स चीन के विश्वसनीय ताक़त होने पर संदेह होता है, इसलिए अमेरिका का भविष्य उज्जवल हो सकता है, बशर्ते कि वह भारत को साधकर चल सके।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

'एचआईवी' मरीजों की सुविधा रोकना, अमानवीय?

दक्षिण अफ्रीका ऐसा मुल्क है जहां 'एचआईवी' मरीजों की संख्या सर्वाधिक है। मोटे तौर पर तकरीबन ढ़ाई लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। दक्षिण अफ्रीका के सामने एचआईवी पर नियंत्रण के लिए मात्र जरिया 'मुफ्त अमेरिकी चिकित्सा सुविधा' मानी जाती रही है? जिसे पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बंद करके का ऐलान कर दिया गया। बंदी के निर्णय के कुछ घंटों बाद ही सुविधाएं भी रोक दी गईं। इससे निश्चित रूप से एचआईवी संक्रमितों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी होगी? होगी क्या, हो ही गई? सभी जानते हैं कि दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी संक्रमितों के लिए अमेरिका की मुफ्त चिकित्सा सुविधा वर्षों से जारी थीं। सुविधा बंद करके अमेरिका ने अमानवीय चेहरे से परिचय कराकर दुनिया में थू-थू भी करा ली है। अमेरिकी राष्ट्रपति को कोई ये बात समझाए कि इंसानी जीवन से बढ़कर कोई दौलत, कोई शौहरत नहीं होती? किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को मरीजों के जीवन से साथ ऐसा खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। जीवन बचाने के लिए नफे-नुकासान की परवाह तो कतई नहीं करनी चाहिए।

चिकित्सा सहायता रूकने से एक साथ 2 लाख 22 हजार एड्स संक्रमितों के जीवन को नर्क में धकेला गया है। डोनाल्ड ट्रंप विभिन्न देशों पर अनाप-शनाप टैरिफ लगाना, बिलावजह की वंदिशें और कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने जैसे उंटपटांग निर्णयों को लेकर पहले से दुनिया के निशाने पर हैं। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी पीड़ितों को मुफ्त एचआईवी सेवाएं बंद करके सोचने पर मजबूर कर दिया है। ट्रंप के निर्णयों ने पूरी दुनिया में वैसे ही उथलपुथल मचाई हुई है। इस कड़ी में उन्होंने अफ्रीका के लाखों मरीजों का भी जीवन संकट में डाल दिया है। दक्षिण अफ्रीका सरकार भी हैरान है कि आखिर अमेंरिका ने ऐसा अमानवीय कदम उठाया क्यों? ट्रंप के फैसले के बाद मरीज एचआईवी सुविधा केंद्रों पर दौड़े, लेकिन बिना दवाईयों के उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका में एड्स पीड़ितों का अधिकृत आंकड़ा जितना है उससे कहीं ज्यादा अनाधिकृत है। मुफ्त सुविधाएं रूकने के बाद गुप्त मरीजों की संख्याओं को देखकर सरकार भी हैरत में है।

मुफ्त सुविधाएं क्यों रोकी गईं? इस गणित को समझना भी जरूर है। दरअसल, एचआईवी दवाओं की लागत दवा के प्रकार, भौगोलिक स्थिति और दवा कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के आधार पर भिन्न होती हैं। खरीद में एचआईवी की दवाईयां काफी महंगी पड़ती हैं। कीमतें विभिन्न देशों में अलग-अलग रहती हैं। जगहों के आधार पर दवाइयों में बदलाव भी होता है। भारत में, एचआईवी के लिए 'एंटीरेट्रवाइल थेरेपी' और 'एपरेटयूड इनजेक्शन' के अलावा 'ग्लाइड' इस्तेमाल की जाती है जिसके प्रत्येक बॉक्स की कीमत 23 हजार और 15 हजार होती है। बाकी अन्य देश 'टेनोफोविर', 'लेमिवाउडिन', 'डोल्यूटेग्राविर' भी प्रयोग करते हैं। इसके अलावा एचआईवी संक्रमित पर 'न्यूक्लियोसाइड रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस इनहिबिटर प्रोटीएस भी उपयोग होते हैं। ये सभी दवाइयां निजी स्तर पर महंगी होती हैं। बिना सरकारी सहायता के कोई आसानी से नहीं खरीद सकता। ज्यादातर देश अपने मरीजों को सब्सिडी देकर कम दामों में मुहैया करवाते हैं। भारत में भी ये दवाईयां बिल्कुल फ्री नहीं हैं। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर अमेरिका ने यह फैसला लिया।

दक्षिण अफ्रीका में मुफत दवाई वितरण में अमेरिका को सालाना करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा था। अमेरिका सालों से अफ्रीकी लोगों को एचआईवी ग्रस्तों को मुफ्त चिकित्सा मुहैया करवाता आया था। पर, अब उसे घाटे का सौदा दिखने लगा? इसलिए मरीजों की जान की परवाह किए बिना ये गैरजरूरी निर्णय ले लिया। जबकि, उसे पता है कि एचआईवी पीड़ितों की सर्वाधिक संख्या इस समय दक्षिण अफ्रीका में है। अमेरिका शुरू से कहता आया था कि अफ्रीकी लोग संसार के दूसरे देशों में पहुंचते हैं तो वहां भी संक्रमण फैलाते हैं। ऐसा न हो, उसके लिए वह अपने स्तर से वहां फैले एचआईवी को नितंत्रण करने के लिए पीड़ितों का ईलाज करते थे। लेकिन, विगत सप्ताह अचानक नि:शुल्क चिकित्सा सहायता पर विराम लगा दिया। जबकि, इस बात का ध्यान रखना चाहिए था कि ऐसा करने से एचआईवी संक्रमितों के जीवन पर बात बन आई है। एड्स के डर से मर-मर कर अपना जीवन जीने वाले मरीज इस सदमे कैसे बर्दाश्त कर पाएंगे। अमेरिका की इस हरकत ने मानवीय पहलूओं का भी अनादर किया है। बंदी के निर्णय के बाद मरीज लगातार क्लीनिकों की ओर दौड़ रहे हैं, भगदड़ जैसी स्थिति बनीं हुई है।

हैरान करने वाली बात ये है कि अमेरिका ने निर्णय अचानक लिया, अफ्रीकी सरकार को सूचित भी नहीं किया। 16 क्लीनिकों में 12 क्लीनिक बंद कर दिए जिनमें 63,000 से ज्यादा मरीज प्रभावित हुए हैं। शेष बचे 4 क्लीनिकों में भी जीवनरक्षक दवाईयां पहुंचनी बंद हो गईं हैं। इस बात का वैश्विक स्तर पर जमकर विरोध भी हो रहा है। अमेरिका पर पुर्नविचार की मांग उठ रही है। इतना तय है, अगर मदद जल्द बहाल नहीं हुई, तो न सिर्फ दक्षिण अफ्रीका में लाखों एचआइवी पीड़ितों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि हजारों मौतें भी होनी आरंभ हो जाएंगी। 'गिलियड' एचआईवी पर नियंत्रण करने वाली प्रमुख दवाई मानी जाती है। गिलियड फार्मा कंपनी ने पिछले अक्टूबर-2024 में विश्व की 6 प्रमुख फार्मा कंपनियों के साथ समझौता किया था ताकि गरीब 120 देशों में ये दवा कम कीमत पर उपलब्ध हो। लेकिन कम कीमत के नाम पर ज्यादातर फार्मा कंपनियों ने अपने हाथ पीछे खींच लिए।

बहरहाल, संक्रमितों के बचे-खुचे जीवन को बचाने के लिए दक्षिण अफ्रीकी सरकार को प्रतिबद्ध होना होगा। रोकी गई सुविधाओं की भरपाई का विकल्प खोजना होगा। सुखद खबर ये है कि फिलहाल, अमेरिका ने कुछ आवश्यक जीवनरक्षक सेवाओं को सीमित स्तर पर शुरू करने का आश्वासन दिया है। लेकिन संकट फिर भी बरकरार है, टला नहीं? क्योंकि अमेरिकी हुकूमत पर फिलहाल विश्वास नहीं किया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने भारत जैसे अन्य देशों से भी मदद की गुहार लगाई है। पर, इस सच्चाई से सभी वाकिफ हैं कि एचआईवी निरोधक दवाइयों पर जो सफलता अमेरिका ने पाई है, वैसी किसी दूसरे देश ने नहीं? उनके पास इकाइयों का अच्छा बैकअप है। अफ्रीका को फ्री में शायद ही कोई देश दवाई देने पर राजी हो? इसलिए अफ्रीकी सरकार को अपने बजट में इजाफा कर एचआईवी पीड़ितों के लिए धन आवंटित करना चाहिए, ताकि विदेशों से दवाईयां खरीदी जा सकें। एचआईवी संक्रमण न फैले, इसके लिए जागरूकता अभियान भी छेड़े जाने की जरूरत है।

- डॉ. रमेश ठाकुर
सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, भारत सरकार!

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष द्वादशी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पिता का साथ होगा। राजनीतिक लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बच कर पार करें। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। कोई रिस्क मत लीजिएगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन डिस्टरबेंस बना रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुकता में आकर कोई निर्णय न लें। अभी महत्वपूर्ण निर्णय रोक कर रखें। प्रेम में तू तू मैं मैं का संकेत है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भूमि भवन वाहन की खरीदारी या भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी स्वास्थ्य अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जुआ, सट्टा लॉटरी में पैसे ना लगाएं। रिस्क है। जुबान पर काबू रखें। कुटुंबों में थोड़ी सी बात को लेकर के अपनों में हलचल हो सकती है

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन चिंतित रहेगा। डर का माहौल रहेगा। किसी बात को लेकर के चिंतित रहेंगे। चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक चिंता बनी रहेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री अयोध्या धाम में रघुकुल नंदन प्रभु श्रीराम के दर्शन-पूजन कर समस्त जनमानस के कल्याण की मंगलकामना की।

नैनो उर्वरक के प्रयोग से कृषि उत्पादन होगा बेहतर

गौतमबुद्धनगर। जनपद के किसानों को नैनो उर्वरक के प्रति जागरूक करने के लिए इफ्को द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। किसान गोष्ठी में किसानों को बताया गया कि दानेदार यूरिया खाद का अत्याधिक प्रयोग जहां मिटटी को प्रदूषित कर रहा है। वहीं भयंकर बीमारियां भी फैला रहा है।

अध्यक्ष/प्रभारी खंड विकास अधिकारी दादरी गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में जनपद में नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान के अंर्तगत इफको द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन विकास खण्ड, दादरी (ब्लॉक सभागार) में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ए0डी0ओ0 ए0जी0 राकेश कुमार शर्मा, ए0डी0ओ0 पंचायत मंजू , पी.पी.एफ विशाल गौरव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में इफको के क्षेत्रीय प्रतिनिधि चौधरी भूपेन्द्र द्वारा सभी पदाधिकारियों तथा किसान भाईयों का संबोधन करते हुये कहा कि दानेदार यूरिया खाद का अत्यधिक प्रयोग मिटटी, पानी व हवा को प्रदूषित कर रहा है, जिससे कैंसर जैसी भयंकर बीमारियों फैल रही है, उन्होंने सभी किसानो को नैनो उर्वरक तथा जैव उर्वरक का प्रयोग करने के लिये कहा। उन्होंने पारंपरिक खाद की तुलना में नैनो उर्वरक का अधिक प्रयोग करके किसान बेहतर पैदावार ले सकता है।

प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी अनिल द्वारा सभी किसान भाईयों को नैनो उर्वरक का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिये कहा जिससे

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कृषि उत्पादन भी बेहतर हो। कार्यक्रम में ए0डी0ओ0 ए0जी0 राकेश शर्मा द्वारा बताया गया कि नैनो यूरिया तथा नैनो डी0ए0पी0 एक स्वदेशी उर्वरक है तथा यह आत्मनिर्भर भारत तथा आत्मनिर्भर कृषि की परिकल्पना को साकार करने में सक्षम है।

पी0पी0एस0 विशाल गौरव द्वारा नैनो टैक्नोलॉजी तथा नैनो डी0ए0पी0 से बीज उपचार तथा जड शोधन के बारे में बताया तथा बताया कि किस तरह से हम धान की फसल में जड शोधन और स्प्रे के माध्यम से नैनो उर्वरक व नैनो डी0ए0पी0 का प्रयोग कर सकते है।

आयोजित कार्यक्रम कार्यक्रम में समस्त कृषक तथा कृषि विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन इफको एस0एफ0ए0 रमन तोमर द्वारा किया गया।

बाढ़ पर सुप्रीम कोर्ट की नजर, नोटिस जारी

नई दिल्ली। दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के साथ-साथ कई राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है।

कोर्ट ने आपदाओं का संज्ञान लेकर इन मामलों में केंद्र सरकार, एनडीएमए और अन्य को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई के कारण आपदाएं आई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित की और सॉलिसिटर जनरल से सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने को कहा है।

11 हजार वोल्ट की चपेट में आने से युवक की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। एसकेएस वर्ल्ड स्कूल के सामने सेक्टर-16 बी ग्रेटर नोएडा मे 11000 हजार की बिजली के तार के चपेट में आने से मोनी सिंह की मौत हो गई।

जबकि उसका एक साथी घायल हो गया। यह मामला बिसरख थाना क्षेत्र के चिपियाना का है। पीड़ित के परिजनों का कहना है कि अभी तक पुलिस ने इस मामले में न तो एफआईआर दर्ज की और न ही उनकी तहरीर ली है। मोनी सिंह के पिता ओमप्रकाश निवासी सेक्टर-63 ने आरोप लगाया है कि पुलिस मामले में लीपापोती कर रही है।

थाना प्रभारी ने आरडब्ल्यूए के साथ एक दिन भी नहीं की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में एक थाना ऐसा भी है जहां के प्रभारी शीर्ष अधिकारी के आदेश पर नहीं बल्कि अपनी मर्जी से कार्य करते हैं। यही कारण है कि पिछले एक वर्ष में उन्होंने सेक्टर-49 आरडब्ल्यूए के साथ कानून व्यवस्था को लेकर एक भी बैठक नहीं की। जबकि बैठक के लिए आरडब्ल्यूए कई बार थाना प्रभारी तथा शीर्ष अधिकारियों से गुहार लगा रहा है।

सेक्टर-49 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष प्रशांत त्यागी तथा महासचिव विजय भाटी तथा अन्य सभी पदाधिकारियों का यही आरोप है। इस बाबत आरडब्ल्यूए ने पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह को दो पेज का एक पत्र भेजा है। जिसमें थाना प्रभारी की मनमर्जी को लेकर शिकायत की है।

लिखे पत्र में पदाधिकारियों ने आरोप लगाया है कि थाना प्रभारी बैठक करने के मुददे पर कहते हैं कि जब मेरी मर्जी होगी तभी बैठक करेंगे। उनका कहना है कि सेक्टर

आरडब्ल्यूए ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर की शिकायत

में आए दिन चोरी, छिनतई जैसी वारदातें लगातार हो रही हैं लेकिन थाना प्रभारी के पास आरडब्ल्यूए के साथ बैठक की फुर्सत नहीं है।

उनका यह भी आरोप है कि जो लोग सेक्टर के विकास में बाधा डाल रहे हैं उनके साथ थाना प्रभारी के अच्छे संबंध हैं। इस बात को वे स्वयं कह चुके हैं कि उप लोगों से उनके निजी संबंध हैं। आरडब्ल्यूए ने सीपी से मांग की है कि थाना प्रभारी की मर्जी पूछकर आरडब्ल्यूए के साथ उनकी बैठक सुनिश्चित करा दें।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह पर एफआईआर

वाराणसी (एजेंसी)। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। वाराणसी की एक अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने पवन सिंह और तीन अन्य लोगों के खिलाफ 1.3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और हत्या की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कैंट पुलिस ने बताया कि अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार के आदेश पर पवन सिंह, प्रेमशंकर राय, उनकी पत्नी सीमा राय और अरविंद चौबे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक विश्वासघात), 467 (जालसाजी), 468 (जालसाजी के लिए डॉक्यूमेंट तैयार करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता, वाराणसी के नदेसर इलाके में होटल और टूर-ट्रैवेल व्यवसायी विशाल सिंह ने आरोप लगाया है कि 2017 में उनकी मुलाकात मुंबई में प्रेमशंकर राय और उनकी पत्नी सीमा राय से हुई थी। दोनों ने विशाल सिंह को फिल्म निर्माण में निवेश करने और भारी मुनाफा कमाने का लालच दिया।

पृष्ठ एक के शेष....

यमुना का रौद्र रूप...

इलाकों में बाढ़ का खतरा बरकरार है। रिंग रोड से जुड़ा जमुना मार्ग, जो सिविल लाइन की तरफ जाता है, वहां भारी जलभराव है।

यमुना नदी उफान पर है, जिसकी वजह से कई निचले इलाके बाढ़ की चपेट में हैं। यमुना बाजार, मजनू का टीला, मयूर विहार, गीता कॉलोनी, और झरोड़ा कलां जैसे क्षेत्रों में पानी घरों और दुकानों में घुस गया है। मौसम विभाग ने इस महीने भी अच्छी बारिश का अनुमान जताया है। खराब मौसम और बारिश के कारण आज भी उड़ानें प्रभावित रहेंगी।

नोएडा में बिगड़े हालात...

खतरे के निशान से ऊपर है, जिसके चलते डूब क्षेत्र और खेतों में खड़ी फैसले डूब गई हैं और यमुना का पानी पुस्ता तक पहुंच गया है। डीएम मेधा रूपम ने इलाके का दौरा कर डूब क्षेत्र से निकल गए लोगों से बातचीत की है और उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही है।

पुलिस और प्राधिकरण ने मिलकर डूब क्षेत्र में मौजूद 2000 मवेशियों को बाहर निकाला है और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजने के साथ-साथ उनके चारे की व्यवस्था की है। बाढ़ पीड़ितों के लिए कमेटी किचन की शुरुआत की गई है जहां लोगों को दो समय का भोजन दिया जा रहा है।

भाजपा किसी की...

समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। एबीवीपी कार्यकर्ता राजभर के 'गुंडा' कहने से नाराज थे। राजभर के बेटे अरुण राजभर ने एक वीडियो बयान जारी कर प्रदर्शन की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की, अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और वाहनों में तोड़फोड़ की।

अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी की 'पैसों की लालच' वाले सहयोगी यह महसूस कर रहे हैं कि भगवा पार्टी उनकी वित्तीय स्थिति को तो सुधार सकती है, लेकिन उन्हें कभी सम्मान नहीं देगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी की रणनीति पहले इस्तेमाल करो और फिर फेंक दो है।

अखिलेश ने एक वीडियो भी साझा किया जहां पुलिसकर्मी एबीवीपी कार्यकर्ताओं को 'भाई' कहते सुनाई दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी का विभाजनकारी मानसिकता वाला रवैया अपने ही रैंकों में दरार पैदा कर रहा है। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने आज बलिया में रसड़ा थाना क्षेत्र में मंत्री ओपी राजभर के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान एबीवीपी के छात्र नेताओं ने राजभर का पुतला भी फूंका।

जन्मदिन की पार्टी ...

पार्टी के दौरान समीर की तरफ से पार्टी में शामिल हो रहे छात्र अभिरंजन और तीन चार लोग, पल्स की तरफ से आए गौतम, क्षितिज आदि के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी।

पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने किशन पुत्र श्रवण, रोहित पुत्र सत्यानंद, सुधांशु पुत्र वीर बहादुर, समीर पुत्र अशोक, विशाल पुत्र प्रभु, सौरव ,अनुज व निखिल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि सभी ग्रेटर नोएडा स्थित एक कॉलेज से पढ़ाई कर रहे हैं।

जेवर हवाई अडडे के...

जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि हवाई अड्डे के 10 किलोमीटर दायरे में साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। मृत पशु, कूड़ा आदि न फेंका जाए और न जमा होने दिया जाए, ताकि पक्षी या जानवर आकर्षित न हों। पूरे क्षेत्र को ज़ोन-वाइज चिन्हित कर सर्वेक्षण कराया जाए। सभी सम्बंधित विभागीय अधिकारी एईएमसी सदस्यों के साथ मासिक निरीक्षण करें और प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत करें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पथवाया ड्रेन सहित एयरपोर्ट क्षेत्र की सभी जल निकासी प्रणालियों को सुदृढ़ किया जाए, ताकि जलभराव की समस्या न हो। हवाई अड्डे के आसपास बिना एनओसी हो रहे निर्माणों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण सुनिश्चित किया जाए। एयरपोर्ट के निकट लेज़र उत्सर्जन एवं ड्रोन गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सम्बंधित विभाग अपने-अपने लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करें तथा उनकी अंडरटेकिंग/प्रमाण पत्र जिला प्रशासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बैठक में यमुना प्राधिकरण, वन, सिंचाई, पशुपालन, विभाग एवं अन्य अधिकारियों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और आश्वासन दिया कि सभी प्राप्त दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन किया जाएगा।

बकायेदारों पर नोएडा...

प्रदर्शित की जाए। सभी विभागों के बड़े बकायेदारों को नोटिस जारी करने एवं अतिदेयता की वसूली तेज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बड़े एवं chronic डिफॉल्टर की RC जारी करने के निर्देश दिए गए।

डॉ लोकेश ने निविदाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को जल्दी पूर्ण करने हेतु प्रहरी सॉफ्टवेर को लागू करने के निर्देश दिए। प्राधिकरण क्षेत्र में प्लास्टिक के बढ़ते प्रयोग को रोकने के लिए सभी संबंधितों से समन्वय करते हुए प्लास्टिक बैन की कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिए

एमएसएमई उद्योगों...

एमएसएमई क्षेत्र की आवाज़ को गंभीरता से लिया और उसी का परिणाम है कि आज उद्यमियों को राहत मिली है।

साथ ही, एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री से 2017 से पूर्व के कर बकाये को माफ़ करने का अनुरोध किया है। यह कदम लाखों उद्यमियों को नई ऊर्जा देगा और आत्मनिर्भर भारत अभियान को और सशक्त बनाएगा।

जीएसटी-2.0- सस्ते ....

कंज्यूमर और डोमेस्टिक वस्तुओं पर जीएसटी

हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, शेविंग उत्पाद, टैल्कम पाउडर 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

टॉयलेट साबुन (बार/केक) 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

टूथब्रश, डेंटल फ्लॉस 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

शेविंग क्रीम/लोशन, आफ्टरशेव 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

सामान्य टेबलवेयर/किचनवेयर (लकड़ी, लोहा, तांबा, एल्युमीनियम, प्लास्टिक) 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

दूध पिलाने की बोतलें और निप्पल, प्लास्टिक के मोती 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

इरेजर 5 प्रतिशत से शून्य

मोमबत्तियां 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

छाते और संबंधित वस्तु 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

सिलाई सुइयां 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

सिलाई मशीनें और पुर्जे 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

कपास/जूट से बने हैंड बैग 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

शिशुओं के लिए नैपकिन/डायपर 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

पूरी तरह से बांस, बेंत, रतन से बने फर्नीचर 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

दूध के डिब्बे (लोहा/स्टील/एल्यूमीनियम) 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

पेंसिल, शार्पनर, चॉक 12 प्रतिशत से शून्य

मानचित्र, ग्लोब, चार्ट 12 प्रतिशत से शून्य

प्रैक्टिस बुक, नोटबुक 12 प्रतिशत 5 प्रतिशत से शून्य

हेल्थ पर जीएसटी

हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस 18 प्रतिशत से शून्य

थर्मामीटर, डायग्नोस्टिक किट 12 प्रतिशत 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

रक्त ग्लूकोज मॉनिटर (ग्लूकोमीटर) 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन और हाइड्रोजन पेरोक्साइड 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

चश्मा 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

मेडिकल/सर्जिकल रबर के दस्ताने 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

कई दवाएं और खास दवाएं 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत या शून्य

चयनित दुर्लभ औषधियां 5 प्रतिशत या 12 प्रतिशत से शून्य

तंबाकू और पेय पदार्थ

सिगार, सिगरेट, तंबाकू उत्पाद 28 प्रतिशत से 40 प्रतिशत

बीड़ी (पारंपरिक हाथ से बनी) 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत

कार्बोनेटेड/वातित पेय, स्वादयुक्त पेय, कैफीनयुक्त पेय 28 प्रतिशत से 40 प्रतिशत

पौधे-आधारित दूध, फलों के गूदे से बने पेय 18 प्रतिशत या 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

कपड़े

सिंथेटिक धागे, बिना बुने कपड़े, सिलाई धागा, स्टेपल फाइबर 12 प्रतिशत और 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

परिधान, रेडिमेड, 2,500 से अधिक नहीं 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

परिधान, रेडिमेड, 2,500 से अधिक 12 प्रतिशत से 18 प्रतिशत

कागज पर जीएसटी रेट

अभ्यास पुस्तिकाओं, ग्राफ पुस्तकों, प्रयोगशाला नोटबुक के लिए कागज 12 प्रतिशत से शून्य

ग्राफिक कागज 12 प्रतिशत से 18 प्रतिशत

कागज के बोरे या बैग, बायोडिग्रेडेबल बैग 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

हस्तशिल्प और कला

नक्काशीदार कला उत्पाद (लकड़ी, पत्थर, आधार धातु, कॉर्क) 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

हाथ से बने कागज और पेपरबोर्ड 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

हस्तशिल्प लैंप 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

पेंटिंग, मूर्तियां, पेस्टल, प्राचीन संग्रहणीय वस्तुएं 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

चमड़ा पर टैक्स

तैयार चमड़ा 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

चमड़े के सामान, दस्ताने 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

बिल्डिंग निर्माण वस्तुओं पर टैक्स

टाइलें, ईंटें, पत्थर जड़ाई कार्य 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

पोर्टलैंड, स्लैग, हाइड्रोलिक सीमेंट 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत

ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा

सौर कुकर/वॉटर हीटर, बायोगैस/पवन/अपशिष्ट से ऊर्जा/सौर पैनल 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

ईंधन सेल मोटर वाहन 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

कोयला, लिग्नाइट, पीट 5 प्रतिशत से 18 प्रतिशत

सर्विस सेक्टर्स

जॉब वर्क, छाता, छपाई, ईंटें, फार्मास्यूटिकल्स, खाल/चमड़ा ITC के साथ 12 प्रतिशत से ITC के साथ 5 प्रतिशत

7,500 दिन से कम होटल आवास 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

सिनेमा (टिकट 100 से कम) 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत

सौंदर्य सर्विस 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत (कोई आईटीसी नहीं)

कैसीनो/रेस क्लब प्रवेश, सट्टेबाजी/जुआ 28 प्रतिशत से 40 प्रतिशत

क्रिकेट मैच टिकट (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय) 12 प्रतिशत से 18 प्रतिशत

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना
सं. 40/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1. कार्य का विवरण:** मैण्डू बैलास्ट डिपो पर अद्यतन संशोधित पर्ची सहित, आर.डी.एस.ओ. के लेटेस्ट बैलास्ट स्पेशीफिकेशन के अनुसार मशीन से तोड़ी गई 65 एम.एम. साइज ट्रैक पत्थर गिट्टी (75,000 घन मी.) की आपूर्ति एवं चट्टा लगाई तथा उपरोक्त को सभी तरह के रेलवे वैगनों में लदाई। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹9,60,74,250/-; **बयाना राशि (₹में):** ₹6,30,400/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 10 माह। **क्र.सं. 2. कार्य का विवरण:** इज्जतनगर डिवीजन के अन्तर्गत ऑटो कोरिनेटर्स के लिए ए.एम.सी. एवं सोडियम हाइपोक्लोराइड की आपूर्ति (इज्जतनगर, बरेली सिटी, बदायूँ, कासगंज, मथुरा, पीलीभीत, काठगोदाम, फतेहगढ़ एवं कन्नौज में 3 वर्षों के लिए कुल 43 पम्पिंग स्टेशन)। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹1,07,02,553.20; **बयाना राशि (₹में):** ₹2,03,500/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 माह। **क्र.सं. 3. कार्य का विवरण:** इज्जतनगर डिवीजन में स.मइं/लाइन/इन. के अनुभाग के अन्तर्गत मीडियम लेवल प्लेटफॉर्म को हाई लेवल प्लेटफॉर्म एवं रेल लेवल प्लेटफॉर्म को हाई लेवल प्लेटफॉर्म तक उठाने का कार्य। (घटपुरी, मकरन्दपुर, वितरोइ, सोरो एवं बदायूँ स्टेशनों का)। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹10,27,49,601.62; **बयाना राशि (₹में):** ₹6,63,800/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 10 माह। **1.** क्रम सं. 1 व 2 की ई-निविदा दिनांक 22.09.2025 को 15:00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **2.** क्रम सं. 3 की ई-निविदा दिनांक 24.09.2025 को 15:00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **3.** ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

मण्डल रेल प्रबंधक/(इंजी०)
मुजाधि/डब्ल्यू-243 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं धीरेन्द्र सिंह भदौरिया पुत्र श्री ज्ञान सिंह भदौरिया, निवासी एल-128, सेक्टर-11 नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उ.प्र.) घोषणा करता हूं कि मैंने अपनी बेटी का नाम अर्शिया से बदलकर काव्या सिंह भदौरिया रख लिया है। भविष्य में मेरी बेटी को काव्या सिंह भदौरिया के नाम से ही जाना जाए।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

भारत में आ सकती है प्रलय, तेजी से पिघल रही हैं हिमालय की 400 ग्लेशियर झीलें : रिपोर्ट में चेतावनी

नई दिल्ली, **एजेंसी** । जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभावों से भारत भी अछूता नहीं है। इस बीच हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में इसके खतरों को लेकर आगाह किया गया है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्लूसी) ने अपनी नई मॉनिटरिंग रिपोर्ट में बताया है कि भारत में 400 से अधिक ग्लेशियर झीलों का तेजी से विस्तार हो रहा है जो भारत के लिए चिंताजनक स्थिति है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाले दिनों में किसी भी प्रलय से बचने के लिए इनकी गहन निगरानी की आवश्यकता है।

हाल ही में सार्वजनिक की गई ग्लेशियल लेक्स एंड वॉटर बॉडीज फॉर जून 2025 नाम की एक रिपोर्ट के मुताबिक जल आयोग ने कहा है कि लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में फैली 432 ग्लेशियल झीलें अचानक विनाशकारी बाढ़ ला सकती हैं। इसलिए इनकी गहन निगरानी की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''ग्लेशियल लेक एटलस-2023 के मुताबिक भारत में स्थित 681 में से) 432 झीलों का विस्तार हो रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अरुणाचल प्रदेश में इन झीलों की सबसे ज्यादा (197) संख्या हैं। वहीं लद्दाख (120), जम्मू और कश्मीर (57), सिक्किम (47), हिमाचल प्रदेश (6) और उत्तराखंड (5) की भी झीलें इस सूची का हिस्सा हैं। यह खुलासा भी हुआ है कि भारत में ग्लेशिया झीलों का कुल क्षेत्रफल भी बीते दशक में तेजी से बढ़ा है। जानकारी के मुताबिक 2011 में इनका क्षेत्रफल 1,917 हेक्टेयर था जो 2025 में बढ़कर 2,508 हेक्टेयर हो गया है।

जल्द से जल्द सचेत होने की जरूरत पर जोर देते हुए सीडब्ल्यूसी ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम, सैटेलाइट बेस्ड अलर्ट और वार्निंग सिस्टम स्थापित करने की सिफारिश की है।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''हिमालयी क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। पर्वतीय हिमनद का सिकुड़ना और हिमनद झीलों में विस्तार होना, जलवायु के गर्म होने के सबसे पहचानने योग्य और गतिशील दुष्प्रभावों में शामिल हैं।

अगर राहुल गांधी के पास हाइड्रोजन बम है तो उन्हें पाकिस्तान भेजना पड़ेगा: आठवले

रायपुर, **एजेंसी** । केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने रायपुर में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी के पास हाइड्रोजन बम है, तो उन्हें पाकिस्तान भेजना पड़ेगा। यहां पर हाइड्रोजन बम की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां पर टिप्पणी को लेकर रामदास आठवले ने कहा कि जो टिप्पणी हुई है, बहुत गलत है। यह प्रधानमंत्री की मां का नहीं बल्कि देश की हर मां का अपमान है, इसके लिए कांग्रेस और आरजेडी को माफी मांगनी चाहिए।

बिहार में विपक्षी दलों की वोट चोरी यात्रा पर केंद्रीय मंत्री आठवले ने कहा कि राहुल गांधी के बोलने में कोई तथ्य नहीं है। संविधान के मुद्दे को छोड़कर राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा लेकर रैली निकाल रहे हैं, लेकिन बिहार में हमारी सरकार आएगी। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे और तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष बनेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस तरह की बात राहुल गांधी करते आए हैं। इलेक्शन कमीशन का मानना है कि आप अपना प्रेजेंटेशन दिखाइए की वोट कैसे चोरी होती है। विपक्ष के वोट बढ़े हैं तो आप अपना भी वोट बढ़ाइए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी देश के मजबूत प्रधानमंत्री हैं। उनको हराने की कोशिश साल 2024 में हुई थी। हमारी पार्टी की सीट कम आई, विवाद पैदा करने की कोशिश की गयी। दलित मुसलमान को भड़काया गया, इसीलिए हमारी पार्टी की सीटें कम हुई थी। हमारी एनडीए की सरकार बनी नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने।

पीएम मोदी के प्रयासों का होगा फायदा टैरिफ विवाद पर देवगौड़ा ने की तारीफ

नई दिल्ली, **एजेंसी** । अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ को लेकर भले ही केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को विपक्ष के हमले का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन सरकार इस संकट से बचने की कोशिश में लगी हुई है। अमेरिका के अनुचित और अन्यायपूर्ण टैरिफ वार शुरू करने के बाद सक्रियता के साथ विकल्प तलाशने के पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि नरेंद्र मोदी की मल्टी अलाइनमेंट पॉलिसी निकट भविष्य में देश को भरपूर फायदा होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल सेकुलर के प्रमुख देवगौड़ा ने कहा कि अमेरिका को अंतत: अपने रुख

पर फिर से विचार करना पड़ सकता है क्योंकि धर्म भारत के पक्ष में है, और यह देश दुनिया में किसी भी अन्य देश की तरह आर्थिक, जनसांख्यिकीय और लोकतांत्रिक लाभों का मिश्रण प्रदान करता है।

देवगौड़ा ने पीएम मोदी को लिखे एक पत्र में कहा, मैंने आपकी जापान और चीन यात्रा की खबरों पर बारीकी से नजर रखी। लाखों भारतीयों की तरह मुझे भी यह देखकर राहत मिली कि अमेरिका द्वारा अनुचित और अन्यायपूर्ण टैरिफ वार शुरू करने के बाद आप सक्रिय रूप से नए विकल्प तलाश रहे हैं। मुझे विश्वास है कि आपकी यात्रा बहुत सफल रही और भारत आपकी बातचीत और नई पहलों का जरूर लाभ उठाएगा।

उन्होंने अपने पत्र में कहा, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ आपकी तस्वीरें और वीडियो, जो दुनिया भर की मीडिया में छाई हुई हैं, राष्ट्र प्रमुखों के बीच सामान्य सौहार्द और मित्रता से कहीं बढ़कर कुछ और संदेश भी देती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये एक नए उद्भव और शायद भारत को केंद्र में रखकर एक नई विश्व व्यवस्था की शुरुआत का प्रतीक हैं।

पवन खेड़ा की पत्नी के भी दो वोटर कार्ड, भाजपा का निशाना

नई दिल्ली, , **एजेंसी** । कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बाद उनकी पत्नी कोटा नीलिमा के भी दो अलग-अलग पते से वोटर कार्ड का दावा किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है।

बुधवार को भाजपा नेता अमित मालवीय ने अपने एक्स अकाउंट पर कहा कि राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बिना पर्याप्त जाँच-पड़ताल के ईमानदार वोटरों को निशाना बनाकर उनकी छवि धूमिल कर दी- यहाँ तक कि उनकी पहचान बिना अनुमति उजागर करके उन्हें खतरे में डाल दिया। फिर भी, उन्होंने इस चौंकाने वाले खुलासे पर चुप्पी साध रखी है कि उनके एक करीबी

सहयोगी के पास दो एपिक कार्ड हैं। क्या सिर्फ़ वही ? बिल्कुल नहीं।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता कोटा नीलिमा, जो तेलंगाना के खैरताबाद (60) विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहीं और कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की पत्नी हैं, उनके पास भी दो सक्रिय एपिक कार्ड हैं- एक खैरताबाद में और दूसरा नई दिल्ली में पंजीकृत।

उन्होंने विवरण देते हुए दावा किया कि 2023 शपथपत्र एवं मतदाता सूची के अनुसार कोटा नीलिमा खैरताबाद विधानसभा से वोटर हैं। इसके साथ उनके पास नई दिल्ली में भी एक और एपिक है। उन्होंने कहा कि अब यह साफ़ हो गया है कि कांग्रेस नेताओं के पास एक से अधिक एपिक नंबर हैं और वे एक से अधिक स्थानों पर मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। जो लोग वोट चोरी में लिप्त हैं, वही आम नागरिकों को बदनाम कर रहे हैं और हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों को कमज़ोर कर रहे हैं। अमित मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी अपने ही करीबी सहयोगियों और सार्वजनिक पद की आकांक्षा रखने वालों से जुड़ी इन आपराधिक गतिविधियों से खुद को अलग नहीं कर सकते। उन्हें इस पर बोलना ही होगा और चुनाव आयोग को इसकी जाँच करनी चाहिए।

कम्बोडिया से कुख्यात गैंगस्टर मैनपाल ढिल्ला को प्रत्यर्पित कर लाया गया भारत

नई दिल्ली, **एजेंसी** । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा पुलिस, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुख्यात अपराधी मेनपाल ढिल्ला उर्फ मेनपाल बादली उर्फ सोनू कुमार को कंबोडिया से प्रत्यर्पण करके भारत लाया है। ढिल्ला को हरियाणा पुलिस कई आपराधिक मामलों में तलाश कर रही थी।

सीबीआई के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि मेनपाल ढिल्ला उर्फ मेनपाल बादली उर्फ सोनू कुमार एक कुख्यात अपराधी है, जिसकी हरियाणा पुलिस को कई मामलों में तलाश थी। मेनपाल ढिल्ला को 2 सितंबर को कंबोडिया से भारत लाया गया। उसे 2007 में हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियारों के इस्तेमाल और आपराधिक साजिश रचने के एक अन्य मामले में 2013 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

इसके अलावा, उसे दो अन्य मामलों में भी दोषी ठहराया जा चुका है। 2018 में हिसार सेंट्रल जेल से छह सप्ताह की पैरोल पर रिहा होने के बाद वह जेल वापस नहीं लौटा और फरार हो गया। सीबीआई ने हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर नवंबर 2024 में इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी करवाया। सीबीआई की जांच में पता चला कि ढिल्ला फर्जी पासपोर्ट पर सोनू कुमार के नाम से थाईलैंड से कंबोडिया गया था।

नौसेना प्रमुख ने लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर का दौरा किया

नई दिल्ली, , **एजेंसी** । नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने बुधवार को गुजरात के लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) का दौरा किया। लगभग 400 एकड़ में फैला यह संग्रहालय दुनिया के सबसे बड़े समुद्री संग्रहालयों में से एक होगा। उन्होंने प्रमुख ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थल में नौसैनिक प्रदर्शनियों और विरासत कलाकृतियों को देखा और परियोजना के हितधारकों के साथ बातचीत की।

लोथल स्थित एनएमएचसी ऐतिहासिक परियोजना है, जिसे गुजरात सरकार के सहयोग और भारतीय नौसेना के योगदान से पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय विकसित कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और इसके नौसैनिक विकास को प्रदर्शित करना है, जिसमें भारतीय नौसेना के विकास को समर्पित एक गैलरी सहित कई आकर्षक दीर्घाएं शामिल हैं। इस दौरान नौसेना प्रमुख को युद्धपोत निशंक, आईएल-38 एसडी समुद्री टोही विमान, यूएच-3एच सहित नौसेना के हेलीकॉप्टर, डेक-आधारित लड़ाकू विमान सी हैरियर जैसी कई नौसैनिक कलाकृतियों का भ्रमण कराया गया। यहां पर भारी कलाकृतियों में मिसाइल मॉडल (पी-21, ब्रह्मोस), इंजन मॉडल (आईसीई, जीटी), अंडरवाटर चैरियट और सी ईगल मिसाइल प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया है।

नौसेना प्रमुख को गुजरात, दमन और दीव नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल सतीश वासुदेव और एनएमएचसी लोथल के प्रभारी अधिकारी कमांडर रंजोत सिंह ने चरण 1ए की प्रगति के बारे में जानकारी दी, जिसके 2025 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने नवनिर्मित वरुण नौसेना परिसर का भी दौरा किया, जिसे भारतीय नौसेना ने एनएमएचसी स्थल पर एक बेस ऑफिस-सह-आवास के रूप में बनाया है। वहां तैनात नौसेना कर्मी परियोजना की प्रगति की बारीकी से निगरानी करेंगे और नौसेना की कलाकृतियों का रखरखाव करेंगे।

उन्होंने चल रही परियोजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की, जिनमें मैरीटाइम हेरिटेज सोसाइटी (एमएचएस) के उप निदेशक, कमोडोर दोराईबाबू और भारतीय बंदरगाह, रेल और रोपवे निगम लिमिटेड और टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के प्रतिनिधि शामिल थे।

आंगनवाड़ी व स्कूल अब एक ही परिसर में केंद्र सरकार ने जारी किए नए दिशानिर्देश

नई दिल्ली , **एजेंसी** । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यहां आंगनवाड़ी केंद्रों और विद्यालयों के सह-स्थान के लिए दिशानिर्देशों का संयुक्त रूप से शुभारंभ किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में पहली बार प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) को शिक्षा की नींव के रूप में मान्यता दी गई है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए शिक्षा मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने संयुक्त रूप से यह दिशानिर्देश जारी किए हैं, ताकि बच्चों का आंगनवाड़ी से कक्षा एक में सहज हो, उनकी सीखने की क्षमता में वृद्धि हो और शिक्षा, पोषण तथा स्वास्थ्य के क्षेत्रों में एकीकृत प्रयास हो। इन दिशानिर्देशों में आंगनवाड़ी केंद्रों को स्कूलों से जोड़ने की रूपरेखा, बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने, समुदाय एवं अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित करने और 'निपुण भारत मिशन' को 'पोषण भी पढ़ाई भी' अभियान के साथ जोड़ने पर बल दिया गया है। यह

कदम बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने और उन्हें एक स्वस्थ, सशक्त व संवेदनशील नागरिक बनाने की दिशा में अहम साबित होगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के विज़न को साकार करने के लिए प्राथमिक शिक्षा और आंगनवाड़ी सेवाओं का एकीकरण बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधान ने कहा कि यह पहल न केवल बच्चों के लिए मजबूत आधारशिला तैयार करेगी, बल्कि भविष्य की मानव पूंजी निर्माण में भी अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हम गर्भवती माताओं, नवजात शिशुओं और प्री-स्कूल जाने वाले बच्चों की शत-प्रतिशत देखभाल सुनिश्चित करेंगे।

शिक्षा मंत्री ने इस अवसर पर एक नया प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि जो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 12वीं तक शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाई हैं, उनके लिए विशेष मॉड्यूल तैयार किया जाना चाहिए ताकि वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकों ने शिक्षा को सरल बना दिया है। आंगनवाड़ी दीदियां बच्चों की पहली शिक्षक होती हैं और यदि उन्हें भारतीय भाषाओं में एआई आधारित शिक्षण साधनों से सशक्त किया जाए, तो शिक्षा की गुणवत्ता और बढ़ाई जा सकती है।

प्रधान ने कहा कि आने वाले तीन वर्षों में देश के करीब दो लाख सरकारी और निजी हाई स्कूलों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जाएगा। उन्होंने हाल के असर और परख सर्वेक्षणों का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों की सीखने की उपलब्धियां अब शहरों से बेहतर पाई गई हैं। उन्होंने इसका श्रेय आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मेहनत को दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में लगभग 15 करोड़ बच्चों की सही देखभाल और उनके स्वास्थ्य व पोषण की निगरानी करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि इन प्रयासों को सही दिशा में आगे बढ़ाया जाए, तो निपुण भारत और विकसित भारत 2047 का सपना अवश्य साकार होगा।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 33 लाख के इनामी 20 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, । छत्तीसगढ़ के सुकमा में 20 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें 9 महिलाएं और 11 पुरुष नक्सली शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में एक पीएलजीए बटालियन (माओवादी संगठन) की सक्रिय हार्डकोर महिला नक्सली भी है। इन सभी पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें दो नक्सलियों पर 08-08 लाख, एक नक्सली पर 05 लाख, चार नक्सलियों पर 02-02 लाख एवं अन्य 04 नक्सलियों पर 01-01 लाख रुपये का इनाम घोषित था। सुकमा पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सल हिंसा से तंग आकर इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

नक्सलियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमा में एसपी किरण चव्हाण, डीआईजी ऑफिस सुकमा द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश सिंह पायल, एएसपी अभिषेक वर्मा, एएसपी नक्सल ऑप्स मनीष रात्रे, एसडीओपी परमेश्वर तिलकवार के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया है। नक्सलियों को आत्म ससमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में जिला बल, डीआरजी सुकमा, इंटेरोगेशन सेल, आसूचना शाखा, रेंज फिल्ड टीम (आरएफटी) कोंटा, सीआरपीएफ 111, 217, 218, 226 वाहिनी एवं कोबरा 203 वाहिनी के सूचना शाखा कार्मिकों की विशेष भूमिका रही है।

संक्षिप्त खबर

पंजाब में बाढ़ से पौने दो लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद

चंडीगढ़, **एजेंसी** । पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज यहां बताया कि राज्य में आई भयंकर बाढ़ के कारण 1,75,216 हेक्टेयर कृषि भूमि में फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गुरदासपुर, अमृतसर, मानसा, फिरोजपुर और फाज़िल्का सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शामिल हैं, जहां फसलों का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब के 23 जिलों में फसलें, गांव और वहां की आबादी प्रभावित हुई है, जिससे इस आपदा की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। राहत कार्यों का ब्योरा साझा करते हुए स. हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि निचले और बुरी तरह प्रभावित इलाकों से 20,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। उन्होंने बताया कि गुरदासपुर में सबसे अधिक 5581 व्यक्ति, फिरोजपुर में 3495, अमृतसर में 2734, फाज़िल्का में 2422, होशियारपुर में 1615, कपूरथला में 1428, पठानकोट में 1139, बरनाला में 369, जालंधर में 474, मोगा में 115, मानसा में 16, रूपनगर में 65 और तरनतारन जिले में 21 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि बा ? प्रभावित लोगों के ठहरने के लिए राज्य भर में 167 राहत कैंप स्थापित किए गए हैं। 1655 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे 3,55,709 लोग प्रभावित हुए हैं।

जम्मू में बीएसएफ के हेलीकॉप्टरों ने 45 फंसे ग्रामीणों को बचाया

जम्मू **एजेंसी** । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को एक साहसिक अभियान के तहत अखनूर सेक्टर के बा ?ग्रस्त गांव में फंसे महिलाओं और बच्चों सहित 45 नागरिकों को निकालने के लिए अपने हेलीकॉप्टर को एक उच्च जोखिम वाले बचाव अभियान में लगाया और उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ द्वारा यह बचाव अभियान तब शुरू किया गया जब पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें गरखल क्षेत्र के फथू कोटली गाँव की बाढ़ग्रस्त आबादी को निकालने में विफल रहीं। चिनाब नदी का जलस्तर लगातार ब ? रहा था और यह नदी वर्तमान में अपने निकासी स्तर 42 फीट से कई फीट ऊपर बह रही थी। उन्होंने बताया कि बाढ़ का पानी गांव में घुसने और 45 लोगों के फंस जाने की सूचना मिलने के बाद आज सुबह वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। फंसे हुए नागरिकों से संपर्क स्थापित करने के कई प्रयास करने के बाद नागरिक प्रशासन ने कीमती जान बचाने के लिए बीएसएफ से एक हेलीकॉप्टर की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ ने इस कॉल पर तुरंत कार्रवाई की और उसके हेलीकॉप्टर ने लगातार बारिश के बावजूद तीन उड़ानें भरकर फंसे हुए गांव से 45 नागरिकों को सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

राहुल गांधी ने बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए केंद्र से मांगा विशेष राहत पैकेज

नई दिल्ली, **एजेंसी** । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अत्याधिक बारिश की वजह से आई बाढ़ से प्रभावित जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड की हालत पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से इन राज्यों के लिए विशेष पैकेज की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बाढ़ से भारी तबाही हुई है और हजारों लोग संकट में हैं। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से इन राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा की मांग की। उन्होंने वीडियो में कहा कि पंजाब में बाढ़ के कारण बहुत नुकसान हुआ है। बाढ़ से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में बहुत बुरी हालत है। सरकार की जिम्मेदारी लोगों की बचाने की होती है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की है कि इन राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने के साथ ही राहत व बचाव कार्यों को तेज किया जाए। ऐसे मुश्किल समय में केंद्र सरकार की सक्रिय भूमिका और समर्थन अत्यंत आवश्यक है।

पहले वनडे में इंग्लैंड की करारी हार, 131 रन पर सिमटी पारी

लीड्स।

लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को पूरी तरह धराशाई कर दिया। इंग्लिश टीम महज 131 रन पर ऑलआउट हो गई और प्रोटियाज ने सिर्फ 20.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से जीत दर्ज की। यह इंग्लैंड का घरेलू मैदान पर सातवां सबसे कम वनडे स्कोर रहा, जबकि द. अफ्रीका ने 175 गेंद शेष रहते जीत हासिल की।दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में जोरदार जीत दर्ज की। मेजबान इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए लीड्स के हेडिंग्ले में सिर्फ 131 रन पर सिमट गई और दक्षिण अफ्रीका ने यह लक्ष्य बेहद आसानी से हासिल कर लिया। कप्तान एडेन मार्करम की तूफानी पारी ने मैच को एकतरफा बना दिया। इससे पहले वियान मुल्डर और केशव महाराज की घातक गेंदबाजी ने इंग्लैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था। महाराज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज का शानदार आगाज किया है और 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला मुकाबला चार सितंबर को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा।

इंग्लैंड की पारी- 131 पर ढेर

इंग्लैंड की शुरुआत से ही विकेट गिरते रहे और टीम कभी मैच में टिक नहीं पाई। विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने सबसे

ज्यादा 54 रन (48 गेंद, 10 चौके) बनाए। उनके अलावा जो रूट ने 14, जोस बटलर ने 15 और जैकब बेथेल ने 13 रन का योगदान दिया। बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके और पूरी टीम सिर्फ 24.3 ओवर में 131 रन पर सिमट गई। कप्तान हैरी ब्रूक 12 रन, विल जैक्स सात रन और बेन डकेट पांच रन ही बना सके। स्मिथ को डकेट के साथ ओपनिंग भेजा गया था गेंदबाजी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5.3 ओवर में 22 रन देकर चार विकेट चटकाए। वियान मुल्डर ने तीन विकेट लिए और सिर्फ 33 रन दिए। लुंगी एनगिडी और नांद्र बर्गर ने भी एक-एक विकेट हासिल किया। इंग्लैंड के बल्लेबाज महाराज की स्पिन और मुल्डर की सटीक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाए।

दक्षिण अफ्रीका की पारी- मार्करम का जलवा

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने आक्रामक बल्लेबाजी की। कप्तान एडेन मार्करम ने 55 गेंदों में 86 रन ठोक डाले, जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे। उनके साथ विकेटकीपर रेयन रिकेल्टन ने 59 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और पारी संभाली। तेम्बा बावुमा सिर्फ छह रन बना सके, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स खाता नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस ने दो गेंदों में नाबाद छह रन बनाकर रिकल्टन के साथ मैच खत्म कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 20.5 ओवर में 137/3 बनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए।

खास आंकड़े और रिकॉर्ड

यह मुकाबला कई यादगार आंकड़ों का गवाह बना। इंग्लैंड के 131 रन का स्कोर घरेलू सरजमीं पर सबसे कम स्कोरों की सूची में शामिल हो गया। इससे कम स्कोर उन्होंने 2001 में मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया (86 रन), 1975 में लीड्स में ऑस्ट्रेलिया (93 रन) और 2001 में श्रीलंका (99 रन) के खिलाफ बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने लीड्स में इंग्लैंड को सिर्फ 24.3 ओवर में ऑलआउट कर दिया। यह किसी भी टीम को अवे मैच में ढेर करने का उनका सबसे तेज रिकॉर्ड है। इससे पहले 1996 में नैरोबी में उन्होंने केन्या को 25.1 ओवर में, 2011 में मीरपुर में बांग्लादेश को 28 ओवर में और 2022 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड को 28.1 ओवर में ऑलआउट किया था। इंग्लैंड का 131 रन पर सिमटना उनके घरेलू मैदान पर सातवां सबसे कम वनडे स्कोर है। इससे पहले उन्होंने 2001 में मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 86 रन बनाए थे।यह मैच गेंदों के लिहाज से इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा सबसे छोटा मुकाबला रहा। महज 272 गेंदों में पूरा मैच समाप्त हो गया, जबकि 2008 में नॉटिंघम में 223 गेंदों में नतीजा निकला था।

टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान की बोलती बंद, अफगानिस्तान ने 18 रन से हराया

शारजाह।

एशिया कप 2025 से पहले अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को जोरदार झटका दिया है। शारजाह में खेले गए ञ20 ट्राई सीरीज के चौथे मुकाबले में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने दबदबे को और मजबूत किया है और आने वाले टूर्नामेंट्स के लिए चेतावनी दे दी है। इस जीत से यह साफ हो गया है कि अफगानिस्तान अब सिर्फ एक उभरती हुई टीम नहीं, बल्कि एक मजबूत टी20 टीम बन चुकी है। शारजाह में उनके स्पिन अटैक ने पाकिस्तान जैसी टीम को भी बैकफुट पर ला खड़ा किया। अगर यही फॉर्म एशिया कप में रही, तो टीम खिताब के लिए भी दावा पेश कर सकती है।

त्रिकोणीय सीरीज के बारे में जानें

यह त्रिकोणीय सीरीज एशिया कप टी20 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई के बीच खेली जा रही है। इसे एशिया कप की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। पाकिस्तान ने इस सीरीज की शुरुआत अच्छी की थी और पहले मैच में अफगानिस्तान को 39 रन

से हराया था और फिर यूएई को भी 31 रन से शिकस्त दी थी। इसके बाद अफगानिस्तान ने यूएई को 38 रन से और अब पाकिस्तान को 18 रन से शिकस्त दी है। चार सितंबर को पाकिस्तान का सामना यूएई से और पांच सितंबर को अफगानिस्तान का सामना यूएई से है। सात सितंबर को इस त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 169 रन बनाए। टॉप ऑर्डर से इब्राहिम जादरान ने 45 गेंदों में 65 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं सदीकुल्लाह अटल ने 45 गेंद पर 64 रन बनाए। इनमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल हैं। इसके अलावा गुरबाज आठ रन, अजमतुल्लाह ओमरजई चार रन और मोहम्मद नबी छह रन बनाकर आउट हुए। कप्तान राशिद खान आठ रन और करीम जनत आठ रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से फहीम अशरफ ने चार ओवर में 27 रन देकर चार विकेट चटकाए। सैम अयूब ने किफायती गेंदबाजी की और एक विकेट निकाला। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर सिर्फ 151 रन ही बना सकी। टीम की शुरुआत खराब रही थी और सैम अयूब खाता खोले बिना पवेलियन लौटे थे। साहिबजादा फरहान 18 रन, फखर जमां 18 गेंद में 25 रन और कप्तान सलमान आगा 15 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुए।

एशिया कप में फिर कुलदीप की हो सकती है उपेक्षा : मनिंदर

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर मनिंदर सिंह ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा हो रही है। मनिंदर को लगता है कि ऐसे में एशिया कप में भी उन्हें खेलने का अवसर शायद ही मिले। इसका कारण है कि टीम प्रबंधन अक्सर ऐसे गेंदबाजों को वरीयता देता है जो बल्ले से भी योगदान दे सकें। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि कुलदीप को टीम में शामिल न करने के कारण ही भारतीय टीम इंग्लैंड में सीरीज़ नहीं जीत पायी। इस पूर्व स्पिनर का मानना है कि अगर कुलदीप टीम में होते तो भारतीय टीम टेस्ट सीरीज जीतती।मनिंदर ने कहा, अगर कुलदीप इंग्लैंड में खेलते, तो भारत 3-1 से जीत जाता। उन्होंने कहा कि हमने जिन गेंदबाजों को चुना था, उनके साथ चौथी पारी में 371 रनों का पीछा करना हमेशा से ही संभव था पर कुलदीप के साथ चीजें अलग होतीं। हमारा चयन जीत के बजाय हार न मानने पर था। अगर हमें जीतना होता, तो कुलदीप हर टेस्ट खेलते। विश्व क्रिकेट में उनके जैसे खिलाड़ी कम ही मिलते हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज उनकी गुगली या लेग-ब्रेक को समझ नहीं पाते। उस पहले टेस्ट में अगर कुलदीप चौथे और पांचवें दिन गेंदबाजी कर रहे होते, तो उनके पास 371 रनों का पीछा करने का कोई मौका नहीं होता। इस पूर्व स्पिनर कहा कि इसी को देखते हुए एशिया कप में भी कुलदीप को अंतिम ग्यारह में शामिल किये जाने की कम ही उम्मीदें हैं। ऐसे में प्रबंधन उनकी जगह अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती को अवसर दे सकता है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने क्रेग मैकमिलन को बनाया सहायक कोच

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने विश्वकप के ठीक पहले क्रेग मैकमिलन को महिला क्रिकेट टीम का सहायक कोच बनाया है। मैकमिलन बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण विभागों का जिम्मा संभालेंगे। उनकी नियुक्ति इसी सप्ताह से होगी। नई भूमिका के तहत मैकमिलन का काम महिला टीम को बेहतर बनाना रहेगा। इस बीच वह कमेंट्री और अन्य प्रतिबद्धताओं से दूर रहेंगे। क्रेग इससे पहले पार्ट-टाइम करार पर कोच थे पर अब उन्हें

पूरे समय के लिए कोच बनाया गया है। मैकमिलन साल 2024 में यूएई में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप की खिताबी जीत के समय भी टीम के साथ थे। मैकमिलन सहायक कोच बनाये जाने से उत्साहित खुश हैं। उन्होंने कहा, इस भूमिका में होना मेरे लिए बेहद खास है। महिला क्रिकेट लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, पिछला साल बहुत जल्दी बीत गया। मुझे उस टीम का हिस्सा होने का हर पल बहुत अच्छा लगा, जो लगातार बेहतर होती जा रही है, टीम एक-दूसरे को चुनौती देती है और विश्व मंच पर खास प्रदर्शन करती है। मैकमिलन ने बताया कि विश्व कप को लेकर न्यूजीलैंड की तैयारियां जोरों पर हैं। उन्होंने कहा कि आगामी विश्व कप की तैयारी के लिए अगस्त में चेन्नई में ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया, ताकि स्पिन के अनुकूल हालातों के अनुरूप ढल सकें। महिला विश्व कप की की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है।

अमांडा और ओसाका अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची,माइया और गॉफ हारीं

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अमांड ने दूसरे दौर के मुकाबले में ब्राजील की बीट्रिज हद्दाद माइया को सीधे सेटों में 6-0, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी।

अनिसिमोवा ने पहले ही गेम में माइया की सर्विस तोड़ी और इसके बाद लगातार मैच में बढ़त बनाये रखी। उन्होंने माइया को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। खेल के दौरान अमांडा ने बैकहैंड शॉट्स लगाए। दूसरा सेट ज्यादा प्रतिस्पर्धी रहा।

वहीं माइया की सर्विस फिर से तीसरे शुरुआती गेम में टूटी पर लगातार सात गेम गंवाने के बाद उन्होंने एक ब्रेक हासिल किया। हालांकि, अनिसिमोवा ने इसके बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की। अमांडा ने हद्दाद माइया पर जीत के साथ अपना ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 42-22 कर लिया। इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 35-14 तक रहा।

अब क्वार्टर फाइनल में अमांडा का मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्वियातेक से होगा। यह दोनों के बीच दूसरा मुकाबला होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में जापान की नाओमी ओसाका ने अमेरिका की कोको गॉफ को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। ओसाका का सामना अब चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। मुचोवा ने एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक को 6-3, 6-7(0), 6-3 से हराया।

द्रविड़ ने इस्तीफा नहीं दिया, रॉयल्स ने उन्हें हटाया है : एबी डिविलियर्स

जोहांसबर्ग ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने दावा किया है कि आईपीएल फ्रैंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने राहुल द्रविड़ को कोच पद से हटाया है और उनके इस्तीफा देने की जो भी बातें कही जा रही हैं वह गलत हैं। द्रविड़ को पिछले साल ही राजस्थान रॉयल्स ने कोच बनाया था पर आईपीएल के 2025 सत्र में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उनके एक सत्र के बाद ही कोच पद छोड़ने से कई सवाल भी उठ रहे थे। इसी को देखते हुए डिविलियर्स ने कहा कि द्रविड़ को टीम से निकाला गया था, इसी कारण अचानक ही उनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। डिविलियर्स ने कहा, मुझे

लगता है कि यह फैसला टीम के मालिक या प्रबंधन ने लिया होगा। उन्होंने राहुल को टीम में एक बड़ी भूमिका की पेशकश की थी, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया था। वहीं द्रविड़ अभी डगआउट में ही बने रहना चाहते थे। यह शायद उनका अपना फैसला हो हालांकि हम जब भविष्य में उनसे बात करेंगे तो मामला और साफ होगा। द्रविड़ के जाने से हालांकि टीम को नुकसान होगा। द्रविड़ एक बार पहले भी टीम के कोच रहे थे। रॉयल्स के लिए पिछला सीजन खराब रहा है। साल 2008 की आईपीएल विजेता टीम ने द्रविड़ को कोच के रूप में लाकर टीम के प्रदर्शन को सुधारने की कोशिश की पर लाभ नहीं हुआ। टीम 14 लीग मैचों में केवल चार ही जीती और औअंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। वहीं रॉयल्स ने कहा, द्रविड़ कई सालों तक राजस्थान रॉयल्स का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरणा मिली है। उन्होंने टीम में मजबूत मूल्यों का निर्माण किया और फ्रैंचाइजी की संस्कृति पर अमिट छाप छोड़ी है। टीम की संरचना की समीक्षा के दौरान उन्हें फ्रैंचाइजी में एक बड़ी भूमिका की पेशकश की गई थी पर उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया था।

शुभमन स्टार बने, इसलिए एशिया कप के लिए शामिल किया गया : उथप्पा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि एशिया कप के लिए शुभमन गिल को भारतीय टीम में शामिल करने का कारण उनका स्टार बनना है। उथप्पा ने कहा कि भारतीय क्रिकेट में एक स्टार कल्चर है जो अब भी जारी है। इसी कारण हर दौर में किसी न किसी खिलाड़ी को लाभ होता है। उथप्पा के अनुसार शुभमन को अचानक ही शामिल करने से प्रबंधन के लिए कई परेशानियां आ गयी हैं। इससे सलामी बल्लेबाजी के साथ ही अंतिम ग्यारह

खिलाड़ियों का चयन भी प्रभावित होगा। शुभमन को एक साल से ज्यादा समय बाद टी20 में वापसी का अवसर मिला है। उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय जुलाई 2024 में श्रीलंका दौरे पर खेला था जहां से बतौर कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल की शुरुआत हुई थी।शुभमन को शामिल करने से जो मुश्किलें आयेंगी इसके बारे में तो उथप्पा ने साफ-साफ कुछ नहीं कहा लेकिन उनका संकेत सलामी जोड़ी की तरफ हो सकता है। पिछले एक-डेढ़ साल से टी20 में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी सफल रही है पर शुभमन के आने के बाद अब सैमसन को अवसर मिलना कठिन होगा हालांकि सैमसन जिस तरह से केरल क्रिकेट लीग में बल्लेबाजी कर रहे हैं। उससे वह बतौर ओपनर अपना दावा और भी मजबूत कर रहे हैं जिसे नजरअंदाज करना संभव नहीं होगा। उथप्पा ने साथ में यह भी कहा कि शुभमन को एशिया कप के लिए चुनने के पीछे कुछ हद तक बिजनस का भी मामला है क्योंकि वह पहले से ही भारतीय क्रिकेट के एक सुपर स्टार हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से पहले बदले नजर आए रोहित शर्मा

नई दिल्ली।

कप्तान रोहित शर्मा ने बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित फिटनेस कैंप के दौरान ब्रोंको टेस्ट और यो-यो टेस्ट पास कर सभी को प्रभावित किया।

भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से पहले अपनी फिटनेस से सभी का ध्यान खींचा है। वह अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। बता दें कि हाल ही में हिटमैन बंगलूरू स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस टेस्ट के लिए पहुंचे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी शारीरिक बनावट और स्टैमिना में काफी सुधार देखने प्रदर्शन से बेहद संतुष्ट नजर आया।

रोहित ने पास किए सभी टेस्ट

कप्तान रोहित शर्मा ने बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्रश्च) में आयोजित फिटनेस कैंप के दौरान ब्रोंको टेस्ट और यो-यो टेस्ट पास कर सभी ब्रोंको टेस्ट खिलाड़ियों की गति, स्टैमिना और एरोबिक क्षमता मापने के लिए इस्तेमाल होता है। इसमें खिलाड़ी को 20, 40 और 60 मीटर की दूरी लगातार दौड़कर तय करनी होती है और हर बार स्टार्टिंग लाइन पर लौटना होता है। यह प्रक्रिया बार-बार दोहराई जाती है। इसे रग्बी से लिया गया है और क्रिकेटरों के लिए यह यो-यो टेस्ट का विकल्प माना जा रहा है।

रोहित वनडे सीरीज में खेलेंगे

रोहित ने पिछले साल भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था और लगभग एक साल बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया। अक्तूबर में उनकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज (19, 23 और 25 अक्तूबर में भागीदारी तय है। हालांकि, यह देखना बाकी है कि क्या वह 30 सितंबर से 5 अक्तूबर तक कानपुर में होने वाले इंडिया ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए के तीन वनडे मैचों

एशिया कप के लिए सिराज होते तो गेंदबाजी आक्रमण और बेहतर होता : हरभजन

चंडीगढ़। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि भारतीय टीम को एशिया कप में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की कमी खलेगी। हरभजन ने कहा कि सिराज को 15 सदस्यीय टीम में भी जगह मिलनी चाहिये थी। हरभजन के अनुसार सिराज के होने से टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होता। हरभजन के अनुसार सिराज ने इंग्लैंड दौरे में भी अच्छी बल्लेबाजी की थी। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है सिराज का नाम टीम में होना चाहिए था। उन्होंने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार गेंदबाज़ी की थी। अगर वह टीम में होते तो गेंदबाज़ी और बेहतर नजर आती।वहीं कहा जा रहा है कि सिराज को आराम दिया गया है क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ के सभी मैचों में गेंदबाजी की थी। वहीं यूएई की पिचों से स्पिनरों को अधिक सहायता मिलने की संभावना है। टीम के पास पहले से ही जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या जैसे तेज गेंदबाज हैं। सिराज ने अंतिम बार भारत के लिए श्रीलंका दौरे जुलाई 2024 में टी20 क्रिकेट खेला था। हरभजन ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन के बाद भी प्रसिद्ध कृष्णा को रिज़र्व खिलाड़ियों में रखा गया है जबकि हर्षित

क्या होता है ग्रहण योग सितंबर में कब बनेगा और किन राशि के लोगों को पहुंचाएगा नुकसान ?

ग्रहण योग एक अशुभ योग है। इस योग के बनने से जीवन में कठिनाइयां और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जानते हैं इस साल सितंबर माह में कब बनेगा ग्रहण योग और किन राशियों को नुकसान होगा।

ज्योतिष शास्त्र में ग्रह, नक्षत्र और योग का विशेष महत्व है। कुंडली में कई ऐसे योग बनते हैं जिनका जीवन पर बुरा असर पड़ता है। कई बार मेहनत और लगन से काम करने पर भी सफलता हाथ नहीं लगती। और मनचाहा फल मांगने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है।

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहण योग को एक अशुभ योग माना गया है। इस योग के बनने से लोगों को कई तरह की मुश्किलों और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

कैसे बनता है ग्रहण योग ?

ग्रहण योग एक अशुभ योग जो कुंडली में विशेष स्थिति के कारण बनता है। कुंडली में मौजूद 12 भावों में जब किसी भाव में सूर्य और चंद्रमा के साथ राहु और केतु विराजमान होते हैं तो ग्रहण योग का निर्माण होता है। कुंडली के जिस भाव में ग्रहण योग बनता है उस भाव से संबंधित परिणामों में अशुभ प्रभाव डालता है।

कब बनेगा ग्रहण योग ?

साल 2025 का आखिरी चंद्र ग्रहण 7 सितंबर, रविवार को लगने वाला है। लेकिन इससे ठीक एक दिन पहले यानी 6 सितंबर, शनिवार के दिन ग्रहण योग बनने वाला है। कुंभ राशि में 6 सितंबर को चंद्रमा के साथ राहु विराजमान होंगे। राहु और चंद्रमा के एक साथ होने से कुंभ राशि में ग्रहण योग बनेगा। यह योग 11.23 मिनट पर बनेगा।

इन राशियों पर खतरा!

मिथुन राशि – मिथुन राशि वालों को राहु और चंद्रमा के कुंभ राशि में एक साथ होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। पैसों की दिक्कत या किल्लत आ सकती है।

कन्या राशि – कन्या राशि वालों को ग्रहण योग के बनने से संकट का सामना करना पड़ सकता। अपने रिश्तों को संभालकर रखें। अपने खर्चों को नियंत्रण में रखें। किसी बड़ी डील को करते समय घर के बड़ों की सलाह अवश्य लें।

धनु राशि – धनु राशि वालों को ग्रहण योग के बनने से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान कोई भी डील साइन ना करें, विवाद से अपने आप को दूर रखें। किसी से लड़ाई झगड़ा ना करें।

क्या जीवित व्यक्ति अपना पिंडदान कर सकता है ? क्या है इसका महत्व

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पूर्वजों की आत्मा की शांति और उनको तृप्त करने के लिए पिंडदान और श्राद्ध कर्म किया जाता है। लेकिन क्या स्वयं अपना पिंडदान कर सकते हैं, क्या हैं इसके नियम और भारत में किन जगहों पर होता है जीवित पिंडदान।

हिंदू धर्म में पिंडदान का विशेष महत्व है। पिंडदान और श्राद्ध पितरों की आत्मा की शांति और मोक्ष प्रदान करने के लिए किया जाता है। पिंडदान करने और श्राद्ध कर्म करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और घर-परिवार में सुख समृद्धि का वास होता है। साल 2025 में पितृपक्ष 7 सितंबर, 2025 रविवार के दिन से शुरू हो रहा है।

कुछ विशेष परिस्थियों में ऐसा देखा जाता है कि लोग अपना पिंडदान खुद करते हैं। स्वयं जीवित व्यक्ति अपना पिंडदान करता है इसे आत्म पिंडदान या जीवित पिंडदान भी कहा जाता है।

गरुड़ पुराण

गरुड़ पुराण के अनुसार माना गया है कि पिंडदान मृत पूर्वजों के लिए किया जाता है ताकि उनकी आत्मा को पितृ लोक में शांति मिले और पितृदोष से मुक्ति हो। इसीलिए पितृपक्ष में श्राद्ध और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि पितृपक्ष में हमारे पूर्वज धरती पर आते हैं और उनकी आत्मा भी तृप्त होती है जब उनका श्राद्ध सही तरह से होता है।

यह माना जाता है कि जीवित पिंडदान करने से व्यक्ति अपने पिछले कर्मों के दोषों से मुक्ति पा सकता है और जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त कर सकता है। यह एक प्रकार का आत्म-शुद्धिकरण और पितृऋण से मुक्ति का उपाय माना जाता है।

क्यों किया जाता है आत्म पिंडदान ?

आत्म पिंडदान का महत्व होता है कि अपनी मृत्यु से पहले व्यक्ति अपने कर्म से आत्मा को शांति प्रदान करना ताकि मृत्यु के बाद परिवार पर कोई

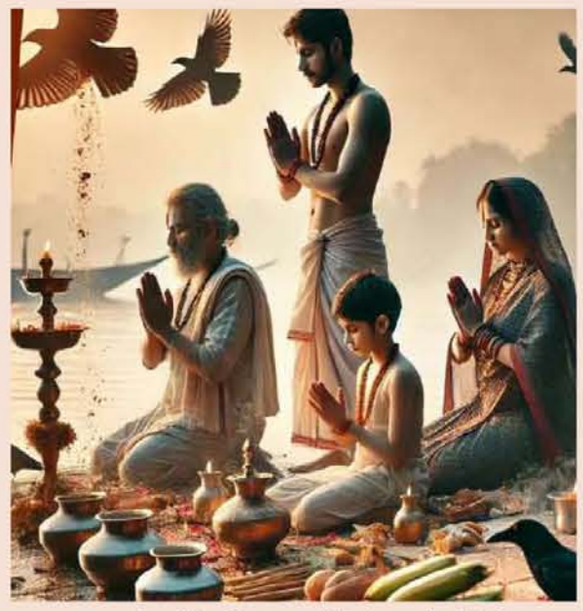

बाधा न आए, इसलिए जीवित पिंडदान का कर्म किया जाता है।

जीवित पिंडदान कब और कहां किया जाता है ?

पितृदोष के कारण अगर किसी के जीवन में बार-बार असफलताएं, स्वास्थ्य समस्याएं, या आर्थिक परेशानियां आ रही हों। गया जो बिहार में स्थित है वहां फल्गु नदी के तट पर विष्णुपद मंदिर के पास जीवित पिंडदान की प्रथा प्रचलित है। जीवित पिंडदान जीवन के पापों से मुक्ति के लिए यह कर्म करते हैं। गया के साथ-साथ हरिद्वार, प्रयागराज, या त्र्यंबकेश्वर में भी यह किया जा सकता है।

तर्पण और पिंड दान-

तिल, जौ, और चावल से बने पिंडों को जल में अर्पित किया जाता है।

तर्पण के समय भगवान विष्णु, यमराज, और पितरों का ध्यान किया जाता है।

मंत्र जैसे ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय या पितृ तर्पण मंत्रों का जाप किया जाता है।

दान-पुण्य-

पिंडदान के बाद गाय, ब्राह्मण, या गरीबों को दान दिया जाता है। इसमें अन्न, वस्त्र, तिल, और स्वर्ण दान शामिल हो सकते हैं।

पटना का अनोखा मंदिर! एक ही गर्भगृह में होती है 72 देवी-देवताओं की पूजा

पटना शहर के बीचों-बीच एक ऐसा मंदिर है, जहां गर्भगृह में एक या दो नहीं बल्कि 72 देवी-देवताओं की मूर्तियों की पूजा होती है। साथ ही शालिग्राम भगवान की 262 मूर्तियां भी मौजूद है। हम बात कर रहे हैं पटना के बाकरगंज स्थित भीखम दास ठाकुरबाड़ी की। यह पटना का इकलौता ऐसा मंदिर है, जहां गर्भगृह में इतनी बड़ी संख्या में भगवान की मूर्तियों की रोज पूजा-अर्चना होती है। इस ठाकुरबाड़ी में रखी सारी चीजें ऐतिहासिक है और सैकड़ों साल पुरानी भी है।

मंदिर के पुजारी विद्यार्थी जी की मानें तो यहां मौजूद शालिग्राम भगवान की मूर्तियां 500 साल से भी ज्यादा पुरानी है। इस मंदिर से जुड़े पूर्वजों ने देश के कोने-कोने से मूर्तियों को लाकर गर्भगृह में स्थापित किया, तभी से रोज पूजा-अर्चना और श्रृंगार होने लगा।

जगन्नाथ भगवान भी देंगे दर्शन

पुजारी विद्यार्थी जी बताते हैं कि इस दरबार में हनुमान, शंकर, नरसिंह भगवान, विष्णु भगवान, राधा- कृष्ण, राम-जानकी, जगन्नाथ भगवान, शालिग्राम भगवान, बिठल भगवान, लड्डु गोपाल सहित कई देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित है। संख्या की बात करें तो गर्भगृह में 72 विग्रह मूर्तियां हैं और शालिग्राम भगवान की 262 मूर्तियां हैं। सबके पहरेदार के रुप में गर्भगृह के आगे हनुमान जी मौजूद हैं। इसके अलावा इस ठाकुरबाड़ी में सैकड़ों साल पुराने शंखों का भी संग्रह है। यहां की हर एक चीज पुरानी और एतिहासिक है।

चमत्कारी है यह ठाकुरबाड़ी

पुजारी विद्यार्थी जी बताते हैं कि इस ठाकुरबाड़ी के पूर्वज बहुत ही सिद्ध आत्मा थे। उनका भगवान से सीधे संपर्क होता था। जब यज्ञ का आयोजन होता था, तब कोई चीज घट जाने पर साधु-संत बोलते थे कि जाओ गंगा जी से मांग कर लाओ। गंगा का पानी जब बर्तन में भर कर लाते थे वो घी में तब्दील हो जाता था। बर्तन में गंगा का रेत आटा का रुप ले लेता था। ऐसी कई कहानियां इस ठाकुरबाड़ी के बारे में कही जाती है।

परमात्मा स्वरूप ही आनंद

एक बार माता देवहूति ने भगवान कपिल से प्रश्न किया, 'जगत में सच्चा सुख, आनन्द कहां है, उसे पाने का साधन क्या है?' कपिल भगवान बोले, 'माता, किसी जड़ वस्तु में आनन्द नहीं रह सकता, आनन्द तो आत्मा का स्वरूप है। अज्ञानवश जीव जड़ वस्तु में आनन्द खोजता है। सांसारिक विषय सुख तो देते हैं किन्तु आनन्द नहीं। जो तुम्हें सुख देगा वह दुःख भी देगा किन्तु भगवान हमेशा आनन्द ही देते हैं। आनन्द परमात्मा का स्वरूप है। सांसारिक सुख तो शरीर की खुजली जैसे होते हैं। जब तक आप खुजलाते रहेंगे तब तक अच्छा लगता रहेगा किन्तु खुजाने से नाखून के विष के कारण खुजली का रोग बढ़ता चला जाता है। सर्वोत्तम मिठाई का स्वाद भी जिह्वा तक ही रहता है। जगत के पदार्थों में आनन्द नहीं है, उसका आभास मात्र है।

पितृ पक्ष में नॉनवेज क्यों नहीं खाना चाहिए ? क्या है इसका धार्मिक कारण

पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हो रही है। 15 दिनों तक चलने वाली इस अवधि में शुभ-मांगलिक कार्य करने की मनाही होती है। इसके अलावा, पितृ पक्ष में नॉनवेज खाना भी वर्जित होता है। ऐसे में चलिए हम आपको बताते हैं कि पितृ पक्ष में नॉनवेज क्यों नहीं खाना चाहिए।

पितृ पक्ष के 15 दिनों में पूर्वजों का पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हो रही है, जिसका समापन 21 सितंबर को होगा। श्राद्ध पक्ष को पितरों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है और इस दौरान कोई भी मांगलिक या शुभ कार्य नहीं किया जाता है। इसके अलावा, पितृ पक्ष के दौरान गया सहित पूरे भारत में पितृ पक्ष के दौरान नॉनवेज और तामसिक भोजन (जैसे प्याज, लहसुन, शराब आदि) नहीं खाया जाता है। यह परंपरा पूर्वजों के प्रति सम्मान और आत्मा की शांति के लिए अपनाई जाती है, क्योंकि तामसिक भोजन का सेवन करने से पूर्वजों की आत्माएं नाराज हो सकती हैं। ऐसा भी माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान नॉनवेज खाने से पितृ दोष लग सकता है, जिससे जीवन में परेशानियां उठानी पड़ती हैं।

तामसिक भोजन- मांस, मछली और अंडे प्रकृति में तामसिक माने गए हैं, इसलिए पितृ पक्ष में तामसिक भोजन से बचना चाहिए।

आध्यात्मिक वातावरण- मांसाहारी भोजन आध्यात्मिक वातावरण को बिगाड़ता है, इसलिए शुद्धता बनाए रखने के लिए शाकाहारी भोजन करना चाहिए।

पितरों का सम्मान- पितृ पक्ष की यह अवधि पूर्वजों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए होती है और मांसाहारी भोजन से परहेज करना इस सम्मान का प्रतीक माना जाता है। पितृ पक्ष के दौरान मांस, मछली, अंडा, प्याज, लहसुन और शराब का सेवन भी इस अवधि में पूरी तरह वर्जित है। इसके अलावा, पितृ पक्ष में मसूर दाल, चना, और अत्यधिक मसालों वाले भोजन से भी बचना चाहिए।

खाने-पीने को लेकर भी कई नियमों का उल्लेख किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि अगर इन नियमों का पालन पितृ पक्ष में न किया जाए तो पितर नाराज हो जाते हैं, जिससे पितृ दोष लग सकता है।

क्या श्राद्ध में नॉनवेज खाना वर्जित है ?

पितृ पक्ष में नॉनवेज खाना भी पूर्णरूप से वर्जित बताया गया है। श्राद्ध के दौरान मांस, मछली, अंडा जैसी किसी भी तामसिक चीज का सेवन करना वर्जित होता है। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा क्यों? इस लेख में हम आपको बताएंगे कि पितृ पक्ष के दौरान नॉनवेज क्यों नहीं खाना चाहिए।

पितृ पक्ष में नॉनवेज क्यों नहीं खाते ?

श्राद्ध के दौरान नॉनवेज का सेवन नहीं करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस अवधि को आध्यात्मिक शुद्धि के लिए माना जाता है और मांस, मछली और शराब जैसे तामसिक भोजन का सेवन वर्जित होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से पितर नाराज हो सकते हैं और जीवन में नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं, इसलिए इस दौरान शाकाहारी और सात्विक भोजन का सेवन करना चाहिए।

लग सकता है पितृ दोष

नारियल में क्यों होते हैं तीन निशान इसके पीछे का धार्मिक कारण

हिंदू धर्म में नारियल को काफी महत्वपूर्ण और शुभ माना जाता है। नारियल को श्रीफल भी कहा जाता है। सभी प्रकार के पूजा पाठ या मांगलिक कार्यों में नारियल का

प्रयोग जरूर होता है। कोई शुभ कार्य, नया मकान, दुकान या नया वाहन लेने पर भी नारियल को फोड़ने की परंपरा है। मान्यता है कि नारियल में ब्रह्मा, विष्णु और महेश इन तीनों देवताओं का वास होता है। माना जाता है कि नारियल के पानी का घर में छिड़काव करने से सभी नकारात्मक शक्तियां नष्ट हो जाती हैं। मान्यता के अनुसार, नारियल पर बने हुए तीन गोल निशानों को लोग भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश से संबंधित माने जाते हैं।

बलि प्रथा रोकने के लिए नारियल का प्रयोग

नारियल या श्रीफल को लेकर यह भी मान्यता है कि एक बार भगवान विष्णु मां लक्ष्मी के साथ पृथ्वी पर आए थे, तब मां लक्ष्मी अपने साथ कामधेनु गाय और नारियल के वृक्ष को भी पृथ्वी पर लाई थी। एक और मान्यता के अनुसार, पृथ्वी पर काफी पहले समय में मनुष्यों और जानवरों की बलि देने की प्रथा थी। इसी प्रथा को रोकने के लिए नारियल का इस्तेमाल किया जाने लगा, क्योंकि नारियल का स्वरूप मानव के जैसा माना जाता है। नारियल मनुष्य की खोपड़ी जैसा होता है और उसकी जटाएं मनुष्य के बाल जैसी होती है। इस कारण जानवरों या मनुष्य की बलि देने के स्थान पर नारियल का प्रयोग किया जाने लगा।

नारियल से जुड़ी पौराणिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में एक सत्यव्रत नाम का एक राजा राज्य किया करता था। राजा सत्यव्रत के राज्य में महर्षि विश्वामित्र रहते थे। एक बार महर्षि विश्वामित्र तपस्या करने के लिए घर से काफी दूर निकल गए। जब बहुत समय तक वे वापस न आए तो उनका परिवार जंगल में भूखा-प्यासा भटकने लगा। महर्षि विश्वामित्र के परिवार पर राजा सत्यव्रत की नजर पड़ी तो वे उनके

परिवार को अपने साथ अपने दरबार में ले आए और उनकी खूब सेवा की।

जब विश्वामित्र वापस आए तो उनके परिवार के सदस्यों ने उनको राजा के द्वारा की गई सेवा के बारे में बताया। तब महर्षि विश्वामित्र राजा के दरबार में पहुंचे और राजा को धन्यवाद दिया, तब राजा ने धन्यवाद के स्थान पर उनसे एक वरदान देने का निवेदन किया। महर्षि विश्वामित्र ने राजा को आज्ञा दे दी। तब राजा ने ऋषि से कहा कि वे जीवित रहते हुए स्वर्ग जाना चाहते हैं। इस पर ऋषि विश्वामित्र ने अपने तपोबल के माध्यम से एक ऐसा मार्ग तैयार किया, जो सीधे स्वर्ग की ओर जाता था।

जब राजा सत्यव्रत उस मार्ग से स्वर्गलोक पहुंचे तो स्वर्ग लोक के राजा इंद्र ने उनको नीचे धकेल दिया। धरती पर गिरते ही राजा ने यह पूरी घटना ऋषि विश्वामित्र को बताई। इतना सुनते ही महर्षि विश्वामित्र को क्रोध आ गया। तब महर्षि विश्वामित्र के क्रोध से बचने के लिए देवता उनसे बात करने आए और इस समस्या का हल निकाला गया। हल के तौर पर यह निर्णय लिया गया है कि धरती और स्वर्ग लोक के मध्य एक और स्वर्गलोक का निर्माण किया जाएगा। जब वह स्वर्ग लोक बना तो उसको धरती से एक खंभे से जोड़ा गया। माना जाता है कि बाद में वह खंभा नारियल के पेड़ का तना और राजा का सिर नारियल बन गया। इसी कारण ही नारियल का स्वरूप मनुष्य की खोपड़ी की तरह ही होता है।

सीधे या उल्टे किस हाथ में पहनें कछुए की अंगूठी ? वास्तु के अनुसार करें धारण

कई बार हम कुछ चीजों को फैशन के तौर पर धारण कर लेते हैं लेकिन उनका ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में विशेष महत्व बताया होता है। इन्हीं में से एक है कछुए की अंगूठी जो आजकल बहुत से लोग अपने हाथों में पहने घूमते हैं। प्रचलित मान्यता के अनुसार, जो व्यक्ति अपने हाथ में कछुए की अंगूठी पहनता है तो उसको धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। लेकिन इस अंगूठी को धारण करने से पहले इससे जुड़े नियमों के बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी है। सही विधि के अनुसार, इस अंगूठी को पहनने पर आपको इसके अनेक फायदे मिल सकते हैं।

आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से कछुए की अंगूठी धारण करने के सही नियम।

किस विधि से करें कछुए की अंगूठी धारण

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर आप कछुए की अंगूठी धारण करना चाहते हैं, तो ध्यान रहे कि ये चांदी की धातु में बनी हुई हो।

जब भी आप इस अंगूठी को धारण करें तो ध्यान रहे कि कछुए का मुंह आपकी तरफ होना चाहिए।

कछुए की अंगूठी हमेशा सीधे हाथ की माध्यम या फिर तर्जनी उंगली में धारण करना फायदेमंद होता है।

इस अंगूठी को धारण करने से पहले इसे दूध मिले गंगाजल में शुद्ध करना बेहद जरूरी है।

बड़े से बड़े कर्ज से मिलेगा छुटकारा अपनाएं कच्चे आलू का महा उपाय

कछुए की अंगूठी को धारण करने के लिए सबसे अच्छा दिन शुक्रवार माना गया है। इस दिन को धन की देवी मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है। अगर किन्ही कारणों से आपको अंगूठी उतारनी पड़ जाए तो इसे पहनने से पहले मां लक्ष्मी के चरणों में अर्पित करें उसके बाद ही पहनें।

कछुए की अंगूठी पहनने के फायदे

जो जातक कछुए की अंगूठी धारण करता है उसमें आत्मविश्वास की बढ़ोत्तरी होती है। उसके मन में शांति और धैर्य बना रहता है। इस अंगूठी को धारण करने से जीवन में आ रहे कष्ट समाप्त होने लगते हैं और तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं।

'अजुल' गाने पर छिड़े विवाद के बीच गुरु ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा के नए हालिया रिलीज गाने 'अजुल' को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। इस गाने में दिखाए गए टीचर और स्टूडेंट के बीच के संबंधों को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसके चलते गुरु को नाबालिगों के कथित यौन शोषण के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अब इस विवाद के बीच गुरु रंधाना ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। गुरु ने शेयर किए गाने के व्यूज के आंकड़े गाने को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच गुरु ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। जिसको देखकर ऐसा लगता है कि उन्होंने आलोचकों को एक तरह से जवाब दिया है। हालांकि, उन्होंने इसमें सीधे तौर पर ऐसा कुछ नहीं कहा है। दरअसल, सिंगर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'अजुल' गाने को मिले व्यूज और लाइक्स का एक स्क्रीनशॉट साझा किया है। स्टोरी में दिखाया गया है कि यह गाना पिछले एक घंटे में 107,200 से ज्यादा बार देखा गया और यूट्यूब पर 27,000 से ज्यादा बार सर्च किया गया है।

'अजुल इज अजुलिंग'

इस स्टोरी को शेयर करते हुए गुरु रंधावा ने लिखा, 'अजुल इज अजुलिंग। जब भगवान आपके साथ होते हैं, तो आप केवल आगे बढ़ते हैं।' इसके साथ ही उन्होंने दिल और सेलिब्रेशन वाले इमोजी भी बनाए हैं।

यह है विवाद का कारण

'अजुल' गाने में गुरु एक फोटोग्राफी टीचर की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने छात्रों की एक ग्रुप फोटो लेने की तैयारी कर रहे हैं। वह अपनी स्टूडेंट जिसका किरदार अंशिका पांडे ने निभाया है। उसके आने का इंतजार करते हैं। अंशिका स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर आती हैं और अपना डांस दिखाती हैं, जबकि गुरु का किरदार उनके डांस के हाव-भाव निहारता नजर आता है। बाद में वह कैजुअल आउटफिट में आ जाती हैं और बोल्ड कोरियोग्राफी के साथ डांस करती हैं। हालांकि, असल में अंशिका की उम्र क्या है इसका तो पता नहीं है। लेकिन वीडियो में उन्हें एक स्कूल स्टूडेंट के रूप में दिखाए जाने पर लोगों ने नाराजगी जताई है।

अपने पार्टनर में कुछ खास खूबियां चाहती हैं जान्हवी

हाल ही में जान्हवी कपूर को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में फिल्म 'परम सुंदरी' के को-एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ देखा गया। दोनों ने जहां फिल्म को लेकर बातचीत की, वहीं अपनी लव लाइफ के बारे में भी कुछ बातें साझा कीं। जान्हवी ने बताया कि वह अपने पार्टनर में क्या-क्या खूबियां चाहती हैं। कपिल शर्मा ने शो में पूछा कि जान्हवी आपको कैसे इंप्रेस किया जाए? इस पर वह बोलीं- 'यह खाने पर आधारित है, सर।' आगे सिद्धार्थ मल्होत्रा कहते हैं, 'इन्हें एक कुक चाहिए।' फिर जान्हवी कपूर कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को खाना बनाना आना चाहिए, वह खाने के शौकीन होने चाहिए। हां, वह तीखा खाना सहन कर पाते हों।' दरअसल, जान्हवी को तीखा खाना बहुत पसंद है। वह आगे जवाब देती हैं, 'बेशक, खाने के साथ अगर हरी मिर्ची साइड में नहीं रखी तो वो खाना ही क्या है? बताते चलें कि असल जिंदगी में जान्हवी कपूर का नाम बिजनेसमैन शिखर पहाड़िया से जुड़ा जाता है, दोनों को अक्सर साथ डेट पर देखा भी जाता है।

जान्हवी कपूर की फिल्म को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'परम सुंदरी' एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा परम नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो कि उत्तर भारत से बिलॉन्ग करता है, वहीं जान्हवी कपूर ने सुंदरी नाम की लड़की का रोल किया है, जो दक्षिण भारत से आती है। इन दोनों के बीच कैसे प्यार होता है, यह फिल्म की स्टोरी लाइन है।

इंडस्ट्री में काम पाने के लिए रील बनाते थे अहान

अहान पांडे अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' से स्टार बन गए। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया गया और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की। यही कारण है कि फिल्म के दोनों लीड एक्टर्स अहान पांडे और अनीत पड्डा युवाओं के बीच नई सेंसेशन बन गए। फिल्म के प्रमोशन के दौरान निर्देशक मोहित सूरी ने अहान को टिकटॉकर बताया था। अब अहान ने फिल्म के रिलीज से पहले अपनी इंस्टाग्राम वाली पर्सनैलिटी को लेकर बात की। बातचीत के दौरान अहान ने कहा कि जब मैं इंस्टाग्राम पर सक्रिय था, तो उस पर मेरा व्यक्तित्व वैसा नहीं था जैसा मैं असल में था। यह वैसा था जैसा मुझे लगता था कि फिल्म बिरादरी का ध्यान आकर्षित करने के लिए मुझे बनना होगा, ताकि मुझे काम मिल सके। यह एक ऐसा व्यक्तित्व है जिसे मैंने अपनाया। 'सैयारा' के अपने किरदार कृष के बारे में बात करते हुए अहान पांडे ने आगे कहा, यह ऐसा किरदार नहीं है जिसके बारे में मैंने सोचा था कि मैं करूंगा। मैं जो ऑडिशन देता था वह ज्यादा सॉफ्ट, मजेदार, एनर्जी और पॉजिटिविटी से भरपूर पड़ोस के लड़के जैसा होता था। आप कृष को पड़ोस में नहीं चाहते।

फिल्म हाटक में नए अवतार में फिल्मी पर्दे पर दिखने वाली हैं अदा शर्मा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा अब नए अवतार में फिल्मी पर्दे पर दिखने वाली हैं। द केरल स्टोरी फिल्म से चर्चाओं में आईं अभिनेत्री अदा शर्मा अब एक्शन करते हुए अपनी नई फिल्म हाटक में नजर आएंगी। अदा की इस फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है जिसमें वो हाथ में बंदूक पकड़े खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं।

अदा शर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा- हाटक- एक डकैती, बिना रहम के। शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। आप सबका आशीर्वाद चाहिए। इसके अलावा उन्होंने जानकारी दी है इस फिल्म का अजय के शर्मा निर्देशन करेंगे।

शिवरंजनी आचार्य के रोल में अदा शर्मा

फिल्म के मोशन पोस्टर के साथ ही अदा का पहला लुक सामने आया है। अदा इसमें 'शिवरंजनी आचार्य' नाम के किरदार में दिखाई देंगी। उनके हाथ में बंदूक और चेहरे पर खतरनाक तेवर देखकर साफ है कि ये किरदार उनकी अब तक की भूमिकाओं से बिल्कुल अलग है। इस बार अदा सिर्फ खूबसूरती या मासूमियत नहीं, बल्कि एक सशक्त और निडर महिला का किरदार निभा रही हैं। बता दें फिल्म की शूटिंग जल्द ही राजस्थान और उत्तर भारत की खूबसूरत और ऐतिहासिक लोकेशंस पर शुरू होने वाली है। इन जगहों पर फिल्म का माहौल और भी ज्यादा दमदार दिखाई देगा। उम्मीद जताई जा रही है कि इस फिल्म के जरिए दर्शकों को एक अलग तरह की डकैती ड्रामा कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें रहस्य, एक्शन और इमोशन का सही संतुलन होगा।

मनोज बाजपेयी ने ओटीटी को इन लोगों के लिए बताया आशीर्वाद

मनोज बाजपेयी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार होते हैं जो बहुत प्रतिभावान हैं। वह अपनी अलग अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि ओटीटी उनके जैसे कलाकारों के लिए आशीर्वाद है। उनके मुताबिक कई बार ओटीटी की कहानी बड़े पर्दे से ज्यादा मजबूत होती है।

मनोज बाजपेयी ने बड़े पर्दे और ओटीटी पर बनाई पहचान

मनोज बाजपेयी बड़े पर्दे के जाने माने एक्टर हैं। उन्होंने दस्तक, द्रोह काल और कई दूसरी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की। हाल के वर्षों में वह ओटीटी के मशहूर कलाकार बनकर उभरे हैं। उन्होंने ओटीटी शो द फैमिली मैन और सिर्फ एक बंदा काफी है जैसी सीरीज में अच्छी अदाकारी की है। पहले बड़े पर्दे पर फिर ओटीटी पर अपनी पहचान बना चुके अभिनेता ने दोनों के बीच अंतर बताया है। ओटीटी ने कई कलाकारों को मौका दिया मनोज बाजपेयी का कहना है कि ओटीटी की तुलना में भारत में थिएटरों की फिल्में प्रतिभा पर आधारित नहीं होती। यह फिल्में अगर बॉक्स ऑफिस पर चलती हैं तो इन्हें अच्छा माना जाता है। उन्होंने एएनआई से कहा कि ओटीटी बॉक्स ऑफिस के प्रदर्शन के बजाए अच्छी कहानी और प्रतिभा पर निर्भर है।

प्रतिभावान लोगों के लिए आशीर्वाद है ओटीटी

मनोज बाजपेयी ने आगे कहा मुझे लगता है कि ओटीटी प्रतिभावान लोगों के लिए आशीर्वाद है। भारत में फिल्में प्रतिभा पर निर्भर नहीं करतीं। मुझे इसे दुख के साथ कहना पड़ रहा है। भारत में कई मुख्यधारा की फिल्में प्रतिभा पर आधारित नहीं होतीं। वह बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों पर निर्भर होती हैं। हालांकि ओटीटी पर मामला इसके विपरीत है। यहां आपको अच्छी कहानी और अच्छी प्रतिभा चाहिए। इसके बाद ही कुछ हो सकता है। पिछले सात वर्षों में मैंने यह देखा है।

मनोज बाजपेयी का काम

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इंस्पेक्टर जेंदे को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी पुलिस के किरदार में होंगे। इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। इंस्पेक्टर जेंदे का निर्देशन चिन्मय डी. मंडलेकर कर रहे हैं।

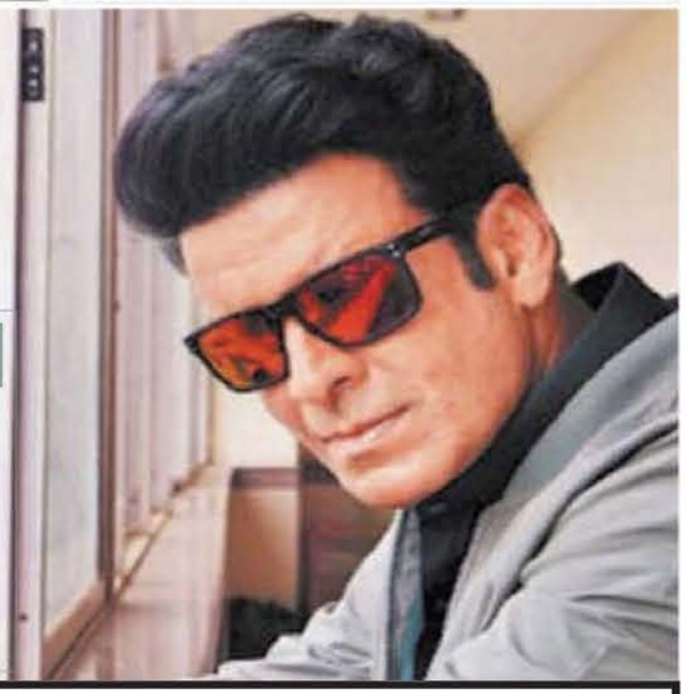

60 करोड़ की ठगी के आरोपों के बीच बंद हुआ शिल्पा शेट्टी का रेस्तरां, अभिनेत्री ने दी जानकारी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और पति राज कुंद्रा का बांद्रा वाला रेस्तरां अब बंद होने जा रहा है। एक्ट्रेस ने खुद अपने फैंस के साथ जानकारी को साझा किया। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के लिए बीते कुछ दिन काफी परेशानी भरे रहे हैं। हाल ही में आर्थिक अपराध शाखा ने दोनों पर 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। इस बीच अब शिल्पा ने अपने मशहूर रेस्तरां 'बास्टियन बांद्रा' को बंद करने का ऐलान कर दिया है।

मुंबई की नाइटलाइफ का हिस्सा था बास्टियन

2016 में लॉन्च हुआ यह रेस्तरां मुंबई की नाइटलाइफ का अहम हिस्सा माना जाता था। खासकर सी-फूड के लिए मशहूर 'बास्टियन' सिर्फ खाने का अड्डा नहीं, बल्कि फिल्मी सितारों और बिजनेस जगत की बड़ी हस्तियों की मुलाकातों का केंद्र बन गया था। शिल्पा और रंजीत बिंद्रा की पार्टनरशिप में शुरू हुआ यह रेस्टोरेंट समय के साथ मुंबई का 'हॉटस्पॉट' बन चुका था।

शिल्पा ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि यह गुरुवार एक युग के अंत जैसा होगा क्योंकि मुंबई का एक आइकॉनिक डेस्टिनेशन अब बंद होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'बास्टियन' ने उन्हें और शहर को अनगिनत यादें दीं। इस मौके पर वह एक खास नाइट आयोजित करेंगी, जिसमें पुराने ग्राहकों के साथ उन पलों को सेलिब्रेट किया जाएगा।

नई शुरुआत का भी ऐलान

हालांकि शिल्पा ने यह भी साफ किया कि यह ब्रांड पूरी तरह खत्म नहीं होगा। उनका कहना है कि 'बास्टियन एट द टॉप' नाम से इसका नया चैप्टर शुरू होगा। यहां नए अनुभव और नई ऊर्जा के साथ यह सिलसिला आगे बढ़ेगा।

60 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

गौरतलब है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर मुंबई के एक कारोबारी दीपक कोठारी ने 60.4 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया कि यह रकम 2015 से 2023 के बीच निवेश और लोन के रूप में दी गई थी, लेकिन बाद में कथित तौर पर इसे व्यक्तिगत खर्चों में इस्तेमाल किया गया। मामला 'बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड' नाम की कंपनी से जुड़ा है, जो अब बंद हो चुकी है।

शिल्पा और राज का बचाव

इन आरोपों पर शिल्पा और राज की ओर से वकील प्रशांत पाटिल ने बयान जारी किया था। उन्होंने कहा कि यह एक पुराना लेन-देन है, जिसकी सुनवाई 2024 में एनसीएलटी मुंबई में हो चुकी है। पाटिल के अनुसार, यह पूरा मामला सिविल प्रकृति का है और इसमें किसी तरह की आपराधिकता नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ऑडिटर्स समय-समय पर सभी दस्तावेज और कैश फ्लो स्टेटमेंट जांच एजेंसियों को सौंप चुके हैं।

सत्यनारायण ने 81 किलोमीटर की तैराकी में रचा इतिहास

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-122 निवासी सत्यनारायण प्रसाद ने 13 घंटे में गंगा की धारा को चीरते हुए नया इतिहास रच दिया है। मुर्शिदाबाद तैराकी संघ द्वारा 31 अगस्त को भगीरथ गंगा नदी में 79वीं ओपन वाटर नेशनल वर्ल्ड लॉन्गेस्ट स्विमिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत के कई दिग्गज तैराकों ने भाग लिया और जलधारा को अपने साहस से चुनौती दी।

नोएडा सेक्टर-122 निवासी सत्यनारायण प्रसाद ने इस प्रतियोगिता में अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए 81 किलोमीटर की लंबी दूरी को मात्र 13 घंटे में पूरा कर लिया। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत विजय है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है।

उनकी इस साहसिक उपलब्धि ने उन्हें भारत के लम्बी दूरी के दिग्गज तैराकों की सूची में शामिल कर दिया है। जिला तैराकी संघ समेत विभिन्न खेल संघों, खिलाड़ियों और नागरिकों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी।

नोएडा हुआ पानी-पानी

नोएडा के कई इलाके यमुना में आई बाढ़ के कारण जलमग्न हो गए हैं। नोएडा सेक्टर-150 स्थित एटीएस सोसाइटी के पीछे जलमग्न इलाके में फसलें और कई फार्महाउस पानी में डूब गए हैं।

वोट चोरी को लेकर युवक कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जावेद खान के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष युवा कांग्रेस पारस शुक्ला के निर्देशानुसार वोट चोरी मुद्दे पर हस्ताक्षर अभियान सैक्टर-9-11 झुंडपुरा नोएडा में संयुक्त रूप से चलाया गया।

इस मौक़े पर उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस पश्चिम महासचिव शाहबुद्दीन, युवा कांग्रेस नोएडा विधानसभा अध्यक्ष नीरज अवाना, जिला महासचिव युवा कांग्रेस मोहम्मद चांद, सैयद फैजाद, अनिल अवाना, शाहरुख, पंडित श्याम सुंदर दीक्षित, महानगर महासचिव दयाशंकर पांडे, प्रेम व अन्य कार्यकर्ता हस्ताक्षर अभियान में शामिल हुए।

उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस पश्चिम प्रदेश महासचिव शाहबुद्दीन ने सभी को वोट चोरी मुद्दे की खुलकर जानकारी दी तथा पंपलेट भी वितरण किए।

नोएडा मीडिया क्लब पहुंचे श्रृंगवेरपुर पीठाधीश्वर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब में श्रृंगवेरपुर पीठाधीश्वर जगदुरु रामानुजाचार्य स्वामी शांडिल्य महाराज का आगमन हुआ। इस मौके पर मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, महासचिव जेपी सिंह एवं सचिव जगदीश शर्मा के साथ क्लब के सदस्यों द्वारा स्वामी शांडिल्य महाराज का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्वामी शांडिल्य महाराज ने मीडिया क्लब की कार्यकारिणी एवं सदस्यों को आशीर्वाद दिया और क्लब के विकास और समृद्धि की कामना की, इसके पश्चात मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी के नेतृत्व में क्लब के पदाधिकारियों और सदस्य सेक्टर-40 में आयोजित श्री भागवत कथा में सम्मलित हुए।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिन्हा, राजेश शर्मा, प्रिया राणा, हरवीर चौहान, रंजीत पांडे, विवेक कुमार मिश्रा, प्रमोद दीक्षित, दीप चौधरी, संदीप आदि मौजूद रहे।

सेक्टर-40 में श्रीमद्भागवत कथा सुनने पहुंची नोएडा मीडिया क्लब की टीम।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 को

प्रचार वाहन को जिला जज ने हरी झंडी देकर किया रवाना

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु मलखान सिंह जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहन को जिला न्यायालय से रवाना किया गया।

चन्द्र मोहन श्रीवास्तव अपर जिला जज व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जानकारी दी कि आगामी 13 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु जनसामान्य के मध्य व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किये जाने के संबंध में जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर मलखान सिंह द्वारा प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जनपद गौतम बुद्ध नगर के ग्रामीण तहसील एवं मुख्यालय स्तर पर जन सामान्य के मध्य प्रचार हेतु रवाना किया गया है।

इस अवसर पर मलखान सिंह जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर के साथ श्रीमती सोमप्रभा मिश्रा, श्रीमती प्रतीक्षा नागर अपर जिला जज, विकास नागर अपर जिला जज, संजय सिंह अपर जिला जज, संजय कुमार त्रिपाठी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व अन्य न्यायिक

अधिकारीगण सहित लीगल एड डिफेंस काउंसिल में नामित अधिवक्ता व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में नामित परा विधिक स्वंय सेवक राजवीर सिंह, साकिर हुसैन, मास्टर बाल चन्द नागर तथा कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण स्टाफ राहुल गौतम, अभिषेक पाण्डेय अपर जिला जज व नोडल अधिकारी, चन्द्र मोहन श्रीवास्तव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अपर जिला जज, राजेश मिश्रा अपर जिला जज, सौरभ द्विवेदी अपर जिला जज, अमित शर्मा सहित एनपीसीएल के विधि सलाहकार श्री कपिल शर्मा व अन्य स्टाफ तथा गलगोटिया विश्वविद्यालय व इशान लॉ कॉलेज व शारदा विश्वविद्यालय के विधि के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

'एओए के पदाधिकारी पर की गई एफआईआर रद्द की जाए'

नोएडा (चेतना मंच)। व्यापारी तथा अंतर्राष्ट्रीय वैश्य संगठन के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव गौरव सिंघल ने गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त से मांग की है कि अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) के पदाधिकारियों पर अब तक की गई एफआईआर को रद्द किया जाए। उन्होंने इस मांग से संबंधित एक ज्ञापन भी पुलिस आयुक्त को दिया।

ज्ञापन में समाजवादी पार्टी के नेता गौरव सिंघल ने कहा कि अभी तक देखा गया कि एओए पदाधिकारी पर एकपक्षीय तथा द्वेषपूर्ण भावना से एफआईआर की गई है जबकि अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन तथा पदाधिकारी अपनी सोसायटी के विकास तथा कल्याण के लिए ही लगे रहते है इसके बावजूद भी किसी भी हादसे के लिए पुलिस एओए के पदाधिकारी को ही सीधे जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करती है। इससे पदाधिकारियों का मनोबल गिरता है।

उन्होंने पुलिस आयुक्त से अनुरोध किया कि जनहित के मद्देनजर अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा पदाधिकारियों पर अब तक की गई सभी एफआईआर रद्द की जाए। जिससे उनका मनोबल बढ़ सके तथा समिति के विकास के लिए भी तन मन धन से आगे बढ़ सके।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले को दिया जाएगा 'विवेकानंद यूथ अवार्ड'

नोएडा (चेतना मंच)। खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, रक्तदान व नशामुक्ति आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को उप्र सरकार सम्मानित करेगी। सरकार इसके लिए 50 हजार रूपए, पदक व प्रशस्ति-पत्र प्रदान करेगी।

जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में व्यक्तिगत श्रेणी के अन्तर्गत विवेकानन्द यूथ अवार्ड 15 से 35 वर्ष (जिसका निर्धारण वर्ष के 01 जनवरी को नामांकन के समय के अनुसार होगा) के आयु वर्ग के युवाओं को यह पुरस्कार विकास कार्यक्रमों के विभिन्न क्षेत्रों यथा-खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचानालय की स्थापना एवं संचालन, जैविक खेती, सौर उर्जा संयंत्र स्थापना, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबन्धन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुसंधान, कला, संस्कृति और साहित्य, मानव अधिकारों को बढ़ावा देना, पर्यटन, पारंपरिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल और शैक्षिक उत्कृष्टता एवं स्मार्ट लर्निंग इत्यादि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों को विशिष्ट पहचान देने के लिए 50 हजार रुपए नकद एवं पुरस्कार में एक पदक, स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। अत: जनपद के युवा उपरोक्तानुसार कार्यों के आधार पर आवेदन/प्रस्ताव साक्षी सहित बुकलेट फाइल पर तीन प्रतियों में 10 सितंबर तक जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कार्यालय विकास भवन, गौतमबुद्धनगर में उपलब्ध कराने होंगे।

एमिटी विवि में सस्टेनोवेशन-2025 हैकथॉन में जुटे आईआईटी के छात्र

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ एनवांयरमेंटल साइंसेस द्वारा इंटेलिजेंट इनसाइट के सहयोग से छात्रों के मध्य सतत नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ''सस्टेनोवेशन 2025 हैकथॉन'' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न संस्थानो से कुल 30 टीमों के 104 छात्रों ने हिस्सा लिया और जिन्हे उर्जा, मृदा और जल पर आधारित समस्या दी गई जिनका निवारण करना था। यह 30 टीमें लगातार 30 घंटे दी गई चुनौतियों का निवारण तलाशेंगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए इंटेलिजेंट इनसाइट के सीईओ डा नीरज सनन ने कहा कि यह देश का पहल सस्टेनेबल हैकथॉन है जो उर्जा, जल व मृदा पर आधारित है इसके पहले सभी सूचना प्रौद्योगिकी व कंप्यूटर विज्ञान से जुड़े थे। हम हैंकथॉन का निर्माण आने वाली पीढ़ियों के लिए कर रहे है। शिक्षा प्रणाली आपको कौशलों से युक्त करती है किंतु मूल्यों का निर्माण व्यक्ति के अंदर स्वंय होता है। कभी-कभी हमारे मन में कोई विचार तो होता है, लेकिन उसे लागू करने के लिए हमारे पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं होते। वहीं, कई बार हमारे पास पैसा तो होता है, लेकिन उसका उपयोग कैसे करें, इसका कोई विचार नहीं होता। यह हैकाथॉन छात्रों के लिए अपने कौशल विकसित करने, सहयोग करने और एक-दूसरे से सीखने का एक बेहतरीन अवसर है।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि यह हैकथॉन व्यावहारिक समस्या समाधान के माध्यम से युवाओं द्वारा संचालित स्थिरता नवाचार को बढ़ावा देगा। यह शुरुआती विचारों की पहचान और पोषण में भी मदद करेगा, जिन्हें कार्यान्वयन योग्य समाधानों में विकसित किया जा सकता है। यह हैकाथॉन शिक्षा जगत, उद्योग और नीति हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत करने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए एक बेहतरीन मंच के रूप में कार्य करेगा।

एमिटी लॉ स्कूल के चेयरमैन डा डी के बंद्योपाध्याय ने कहा कि एमिटी और इंटेलिजेंट इनसाइट द्वारा युवा छात्र और छात्राओं को नवाचार के लिए मंच प्रदान किया जा रहा है। किसी भी देश का विकास, अनुसंधान व नवाचार में युवाओं की भागीदारी ही सुनिश्चित करती है। एमिटी मे हम छात्रों को सदैव शोध करने और अपना उद्यम प्रारंभ करने के लिए प्रोत्साहित करते है।

एमिटी विश्वविद्यालय के ट्रांसलेशनल एंड एंटरप्रिन्यौरशिप डेवलपमेंट के डीन डा बी के मूर्ती ने जानकारी देते हुए कहा कि सस्टेनोवेशन-2025 एक हैकथॉन है जिसे देश भर के छात्रों, शोधकर्ताओं और युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए अभिनव समाधान विकसित करने पर काम करेंगे।

इस मेगा इवेंट में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय, आईआईटी मद्रास, आईआईटी खड़गपुर, राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, आरसीसी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और कई अन्य संस्थानों के 77 पुरुष और 27 महिला छात्रों की 30 टीमें भाग ले रही हैं।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com